RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 278 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 07-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'इंडि' गठबंधन जल्द ही टूट जाएगा, इसका कारण राहुल गांधी होंगे : भाजपा

6 सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश-2026

7 रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का लंबा शेड्यूल

चुनावी खबर

वंदे मातरम के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने के लिए कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन में किसी भी प्रकार की बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने के लिए 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971' में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के समान वैधानिक सुरक्षा मिल जाएगी। वर्तमान कानून में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को किसी भी प्रकार के अपमान से सुरक्षा प्राप्त है। कानून के अनुसार, राष्ट्रध्वज या संविधान को जलाने, फाड़ने, अपवित्र करने, रौंदने या राष्ट्रगान के दौरान जानबूझकर बाधा डालने पर तीन साल तक की जेल की सजा सुनाई जा सकती है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि संसद की मंजूरी के बाद संशोधन लागू होने पर वंदे मातरम् के गायन में जानबूझकर बाधा डालना भी अपराध होगा।

मथुरा की आवासीय सोसायटी में दूषित पानी से एक दर्जन से अधिक बीमार

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में बुधवार को एक आवासीय सोसायटी की पानी का टंकी का दूषित पेयजल पीकर एक दर्जन से अधिक लोग डायरिया के शिकार हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं वितरित कीं और टंकी की नियमित साफ-सफाई कराने की सलाह दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दिल्ली-आगरा राजमार्ग के पास कृष्ण लोक आवासीय सोसायटी से कुछ लोगों को पेटदर्द, उल्टी व दस्त होने की शिकायत मिली थी। तुरंत ही निकट स्थित राल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम को रवाना कर दिया गया।

क्रूज जहाज से हंटावायरस संक्रमित मरीजों को निकाला गया

केप वर्डे/एपी। नीदरलैंड के ध्वज वाले एमवी हॉनडियस क्रूज जहाज में घातक हंटावायरस का संक्रमण फैलने की पुष्टि होने के बाद दो संक्रमितों और एक अन्य संदिग्ध मरीज को निकालकर नीदरलैंड ले जाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)ने यह जानकारी दी। घातक महामारी के केंद्र में रहा वह जहाज केप वर्डे के तट पर ही रुका है। इसमें 150 लोग सवार हैं और यह स्पेन के कैनरी द्वीप समूह जाने का इंतजार कर रहा है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा खींची कई तस्वीरों में दिख रहा है कि स्वास्थ्यकर्मी सुरक्षात्मक वस्त्रों में जहाज की ओर जा रहे हैं।

07-05-2026 सूर्यास्त 6:25 बजे | 08-05-2026 सूर्योदय 5:45 बजे

BSE	NSE
77,958.52	24,330.95
(+940.73)	(+298.15)

सोना	चांदी
15,361 रु.	250,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परचम

ममता की क्षमता क्षीण हुई,
तृण पुनः मूल के संग मिले।
केरल से बिछड़ा वाम पंथ,
उम्मीदों के अब हाथ हिले।
विजयन के तगड़े घोड़ों ने,
तामिल में कर दिए ध्वस्त किले।
पांडीचेरी, आसाम सहित,
बंगाल ताल में कमल खिले।

वियतनाम भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का अहम हिस्सा : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि वियतनाम, भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और नई दिल्ली उसके साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से व्यापार को विस्तार देने के लिए इच्छुक है। मुर्मू ने यह भी कहा कि रक्षा और सुरक्षा भारत-वियतनाम द्विपक्षीय संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

राष्ट्रपति ने साझा चुनौतियों से निपटने तथा क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम के साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया, जो पहली राजकीय यात्रा पर भारत आए हैं। इस अवसर पर उन्होंने उनके सम्मान में भोज भी आयोजित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक में दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारत संतुलित तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से इसे और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत, वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच हुई वार्ता के बाद बुधवार को भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया और 2030 तक 25 अरब डॉलर के वार्षिक व्यापार का लक्ष्य तय किया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने भूराजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच व्यापार, रक्षा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया।

मोदी-लाम की मुलाकात के बाद दोनों पक्षों ने 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो डिजिटल भुगतान, दुर्लभ खनिजों, फार्मास्युटिकल्स, शिक्षा, बैंकिंग और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों में गहन दोतरफा साझेदारी का मार्ग खोलेंगे।

कांग्रेस के समर्थन से विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अभी निर्णय नहीं लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया। कांग्रेस ने एक बड़े राजनीतिक बदलाव और नए गठजोड़ के तहत अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की और चुनाव पूर्व सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) से संबंध तोड़ लिए।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक के दशकों पुराने द्विध्रुवीय वर्चस्व को तोड़ते हुए टीवीके के सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के दो दिन बाद राज्यपाल कार्यालय से निमंत्रण मिलने पर टीवीके प्रमुख ने लोक भवन में अर्लेकर से मुलाकात की और उन्हें समर्थन देने वाले कांग्रेस विधायकों की सूची सौंपी।

हालांकि, लोक भवन के सूत्रों ने संकेत दिया कि विजय को

■ राज्यपाल अर्लेकर विजय के पास समर्थन होने के दावे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने के संबंध में अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि राज्यपाल अर्लेकर विजय के पास समर्थन होने के दावे से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार के गठन में लोक भवन द्वारा की गई देरी की आलोचना करते हुए कांग्रेस की लोकसभा सांसद ज्योतिमणि ने कहा, ''बहुमत साबित करने का स्थान विधानसभा है। लोक भवन में बहुमत साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा को तुरंत लोक भवन के माध्यम से राजनीति करना बंद करना चाहिए। राज्यपाल को तुरंत टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।''

टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में से 108 सीटें जीतीं, को सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत के आंकड़े से 10 कम है।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की बुधवार रात कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ ही घंटे के भीतर हुई इस घटना पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आईं हैं और क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

सूत्रों ने बताया कि यह घटना उत्तरी 24 परगना जिले में मध्यमग्राम क्षेत्र के दोहरिया में हुई, जहां शुभेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ पर हमला किया गया। बाइक पर सवार लोगों ने उन्हें करीब से गोली मार दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने रथ की कार का पीछा किया, उसे रोका और उन पर गोली चला दी। हमला करने के तुरंत बाद हमलावर फरार हो गए। रथ ड्राइवर के बगल में आगे की सीट पर बैठे थे।

रथ के ड्राइवर को भी गोली लगी और उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

स्थानीय समाचार चैनलों के अनुसार, गोलीबारी में रथ गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया, ''पीड़ित को मृत अवस्था में लाया गया था। छाती पर कई गोलियां लगी थीं, एक गोली उनके पेट में भी लगी थी।''

पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास सिलसिलेवार हुए दो विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास मंगलवार रात सिलसिलेवार हुए दो विस्फोट ने पूरे राज्य को दहला दिया और विपक्षी दलों ने इसकी निंदा करते हुए इसे राज्य को ''अस्थिर'' करने का प्रयास करार दिया।

पुलिस ने बताया कि पहला विस्फोट जालंधर में रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर हुआ, जबकि दूसरा धमाका रात करीब 11 बजे अमृतसर के खासा में सैन्य छावनी के पास हुआ। इन विस्फोट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

विस्फोट की दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है।

अमृतसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (देहात) सुहैल मीर कासिम ने बताया कि पुलिस को रात करीब 11 बजे खासा की एक सड़क पर तेज आवाज में धमाके की सूचना मिली। उन्होंने कहा, ''हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंचीं।''

एसएसपी के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चला है कि किसी व्यक्ति ने चारदीवारी की ओर विस्फोटक उपकरण फेंका और उससे धमाका हो गया। विस्फोट के बाद टिन की शीट का एक टुकड़ा गिर गया, जो दीवार पर लगा था। उन्होने बताया कि घटना के फौरन बाद फॉरेंसिक टीम और बम निष्क्रिय दस्ता घटनास्थल पर पहुंचा।

अमृतसर के पुलिस अधीक्षक (देहात) आदित्य एस. वारियर भी घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि सैन्य अधिकारियों की एक टीम ने भी घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लिया, जिसके बाद इलाके में घेराबंदी की गई। रात के समय हुए इस विस्फोट को आसपास के सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है। जालंधर में विस्फोट से एक स्कूटर और एक 'ट्रैफिक सिग्नल' का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया तथा पास की एक दुकान के शीशे टूट गए।

आईएसआई की साजिश : पंजाब डीजीपी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि अमृतसर के खासा में सेना छावनी की चाहरदीवारी के पास हुआ विस्फोट कम तीव्रता वाला था। पुलिस ने बताया कि विस्फोट मंगलवार रात को हुआ और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने बताया कि किसी भी संगठन ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस घटना के पीछे पाकिस्तान की आईएसआई का हाथ है। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि चूंकि आज ऑपरेशन सिंदूर का एक वर्ष पूरा हुआ है, इसलिए यह पंजाब में अशांति फैलाने की पाकिस्तान की आईएसआई की साजिश का हिस्सा है। पंजाब राष्ट्र की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ परोक्ष युद्ध लड़ रहा है।''

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने पर अड़ीं ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार करने के एक दिन बाद बुधवार को ममता बनर्जी ने अपना राजनीतिक रुख और सख्त कर लिया।

बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने उनके इस फैसले को विधानसभा चुनाव परिणामों में कथित हेरफेर के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया और आने वाले समय में लंबी राजनीतिक व कानूनी लड़ाई के संकेत दिए।

ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट आवास पर नवनिर्वाचित तृणमूल विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक में कथित तौर पर कहा कि भाजपा ने चुनाव लूट लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी मतगणना के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

इस बैठक में अभिषेक बनर्जी और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल थे।

होर्मुज जलडमरुमध्य न खोला गया तो ईरान पर और बमबारी होगी : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरुमध्य न खोलने की स्थिति में ईरान पर और ज्यादा बमबारी करने की बुधवार को चेतावनी दी। इस बीच, युद्ध खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते के करीब पहुंचने की खबर भी सामने आई है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के साथ युद्ध जल्द ही खत्म हो सकता है और तेल व प्राकृतिक गैस की आपूर्ति दोबारा शुरू हो सकती है।

हालांकि उन्होंने कहा कि यह सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि ईरान एक प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर ले। ट्रंप ने समझौते के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

ट्रंप ने कहा, अगर वह सहमति नहीं जताता है, तो बमबारी शुरू होगी।

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के बाद चीन के ईरान युद्ध में समग्र संघर्ष विराम की अपील की। अराघची 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमला किए जाने के बाद से पहली बार चीन की यात्रा पर है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को कहा कि उनका देश इस संकट के कारण बेहद चिंतित है।

भारत-सूरीनाम संबंध 'पारिवारिक' बंधन पर आधारित हैं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परामारिबो/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत सूरीनाम को ''दूर का साझेदार'' नहीं बल्कि परिवार के रूप में देखता है। उन्होंने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह टिप्पणी की।

बुधवार को सूरीनाम की यात्रा से पहले 'टाइम्स ऑफ सूरीनाम' अखबार में लिखे लेख में जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के संबंध अब ''मजबूत और बहुआयामी साझेदारी'' में बदल गए हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, व्यापार, प्रशिक्षण और सांस्कृतिक संबंध शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत और सूरीनाम ने उच्चस्तरीय यात्राओं के जरिए सहयोग को और मजबूत किया है। इसमें 2023 में सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी की भारत यात्रा और उसी वर्ष भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सूरीनाम यात्रा शामिल है।

जयशंकर ने बताया कि 'इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट' (रियायती दरों पर ऋण) के जरिए सूरीनाम में कई परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिनमें परानाम औद्योगिक बंदरगाह शहर से राजधानी परामारिबो तक 161 किलो वॉट की विद्युत ट्रांसमिशन लाइन, जल पंपिंग स्टेशन, निर्माण उपकरण, बिजली ढांचे का उन्नयन और तीन चेतक हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति व रखरखाव शामिल हैं। उन्होंने लिखा कि भारत ने पिछले वर्ष सूरीनाम को खाद्य सुरक्षा में मदद के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के 425 मीट्रिक टन खाद्य पदार्थ भी उपलब्ध कराए।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत समर्थित अनुदान परियोजनाओं में बाढ़ चेतावनी प्रणाली, एक स्टेडियम तथा शिक्षा, खेल और तकनीकी प्रशिक्षण से जुड़े सामुदायिक कार्यक्रम शामिल हैं।

जयशंकर ने यह भी बताया कि वह भारतीय अनुदान से स्थापित 'पैशन फ्रूट प्रोसेसिंग और पैकेजिंग इकाई' के उद्घाटन में शामिल होंगे। उन्होंने लिखा, ''यह स्थानीय किसानों को सशक्त बनाएगा और मूल्यवर्धित उद्योग के जरिए सूरीनाम की आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगा।'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और सूरीनाम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार जैसे मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सूरीनाम, भारत समर्थित अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' जैसी पहलों में भागीदार है।

जयशंकर ने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों देश साझा इतिहास से जुड़े हुए हैं, जिसकी शुरुआत 1873 में 'लल्ला रुख' जहाज के जरिए भारतीयों के सूरीनाम पहुंचने से हुई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय मूल का समुदाय सूरीनाम के समाज का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, जिसने सरनामी हिंदुस्तानी भाषा, बैठक संगीत और दिवाली व फगवा जैसे त्योहारों की परंपरा को भी संजोए रखा है।

अमृतसर और जालंधर में हुए विस्फोट 'मामूली', भाजपा भय का माहौल बना रही : मुख्यमंत्री मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर और जालंधर में हुए दो विस्फोटों को मामूली करार देते हुए बुधवार को भाजपा पर लोगों में डर का माहौल बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह विपक्षी पार्टी की राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की 'तैयारी' का हिस्सा है।

मंगलवार रात दो विस्फोट हुए थे, जिनमें से एक धमाका जालंधर में सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर रात करीब आठ बजे और दूसरा अमृतसर के खासा स्थित सेना छावनी क्षेत्र के पास रात करीब 11 बजे हुआ।

मान ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा लोगों में भय का वातावरण पैदा करना चाहती है ताकि उन्हें डराकर वोट हासिल किए जा सकें। उन्होंने कहा, भाजपा एक सांप्रदायिक पार्टी है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव समाप्त हो चुके हैं और उन्होंने (भाजपा ने) कहा है कि अब पंजाब की बारी है। इससे यह संकेत मिलता है कि ये मामूली विस्फोट पंजाब विधानसभा चुनावों की उनकी तैयारी का हिस्सा हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

मान ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा हिंसा भड़काकर

और जनता को डराकर वोट हासिल करने की कोशिश करती है।

बेअदबी रोधी कानून के कार्यान्वयन के लिए चार दिवसीय ''शुक्राना यात्रा'' शुरू करने के बाद माना ने आनंदपुर साहिब में संवाददाताओं से कहा, मैं भाजपा से ऐसी हरकतें बंद करने का आग्रह करता हूं। पंजाब एक शांतिप्रिय राज्य है। हम ऐसे लोग हैं जो हमेशा विश्व के कल्याण की कामना करते हैं। मान ने दावा किया कि जिन राज्यों में भाजपा चुनाव लड़ती है, वहां वह अशांति फैलाने की कोशिश करती है।

हाल में लागू हुए बेअदबी रोधी कानून ''जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन अधिनियम 2026' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून समुदायों के बीच टकराव भड़काने की भाजपा की कोशिशों को विफल करता है। उन्होंने कहा, इस कानून के लागू होने के बाद कोई भी उनके इशारे पर बेअदबी जैसी घटनाओं में शामिल नहीं होगा।'' उन्होंने दावा किया कि यह कानून भाजपा के एजेंडे के विपरीत है।

मान ने भाजपा की कार्यशैली पर चिंता जताते हुए कहा, भाजपा कहती है कि वह पंजाब के लिए तैयार है। क्या वे इन मामूली विस्फोटों के जरिए लोगों को डराकर वोट हासिल करना चाहते हैं? पंजाब पहले भी कठिन दौर देख चुका है। उन्होंने आरोप लगाया, यह भाजपा की कार्यप्रणाली है। इसमें, हर राज्य में जहां वह चुनाव लड़ती है, वहां दंगे भड़काना, मामूली विस्फोट कराना और धर्म व जाति के आधार पर लोगों को बांटना शामिल है। यह पंजाब के लिए उनकी तैयारी को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी देश किसी संकट का सामना करता है, पंजाब महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और राज्य में हर हाल में शांति तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी।

मान धमाके पर अपने दावे को लेकर सबूत दें या फिर इस्तीफा : पंजाब भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के नेताओं ने राज्य में हुए दो धमाकों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा दिए गए बयान की कड़ी आलोचना करते हुए बुधवार को इसे ''लापरवाह और गैरजिम्मेदार' करार दिया।

पार्टी ने कहा कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विस्फोटों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की संलिप्तता की ओर इशारा कर रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री ''अपनी जिम्मेदारी से बचने'' के लिए भाजपा पर दोष मढ़ रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर और जालंधर में हुए दो विस्फोटों को मामूली करार देते हुए बुधवार को भाजपा पर लोगों में डर का माहौल बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह विपक्षी पार्टी की राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की 'तैयारी' का हिस्सा है। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील

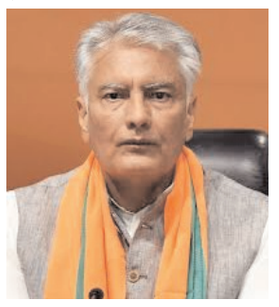

जाखड़ ने कहा कि जालंधर और अमृतसर में हुए दो धमाके गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान इससे भी ज्यादा चिंताजनक है।

जाखड़ ने कहा, ''जहां एक ओर पंजाब के डीजीपी इन घटनाओं के पीछे पाकिस्तान की आईएसआई की संलिप्तता की ओर इशारा कर रहे हैं, वहीं राजनीति से प्रेरित मुख्यमंत्री गैरजिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। उनकी टिप्पणियां कुर्सी खोने के डर और घबराहट को दर्शाती हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर वह अपनी स्थिति की चिंता करना छोड़ दें और विधायकों पर नजर रखने के बजाय पुलिस को अपना काम करने दें तो बेहतर होगा। क्योंकि अगर विधायकों ने पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया है, तो कोई भी पुलिस तैनाती उन्हें रोक नहीं पाएगी।'' भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि मान की टिप्पणी ''गैरजिम्मेदाराना और अपरिपक्व'' है।

चुघ ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार राज्य के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा, ''या तो भगवंत मान अपने दावे के समर्थन में सबूत पेश करें या मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दें।''

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी भाजपा के खिलाफ मान के आरोपों की कड़ी आलोचना की और उन्हें भाजपा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, ''अगर आप (मुख्यमंत्री) में हिम्मत है तो इन धमाकों के लिए भाजपा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराइए। थोड़ी शर्म कीजिए। आपके डीजीपी कह रहे हैं कि ये धमाके पाकिस्तान की आईएसआई का काम हैं और आप कुछ और ही कह रहे हैं।''

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय राष्ट्र निर्माण की भावना को पोषित करता है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय छात्रों को न केवल सफल करियर बनाने के लिए तैयार करता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए भी प्रेरित करता है। गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मंत्रीमंडल में अपने सहयोगी मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ 42वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि महाविद्यालय छात्रों में समाज और राष्ट्र के लिए काम करने की जो भावना पैदा करता है, उसका भविष्य के लिए बहुत महत्व है। उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते कहा, ''गुरु गोविंद सिंह का नाम वर्षों के बलिदान और समर्पण से जुड़ा है। 1984 से ही इस महाविद्यालय ने शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखा है।''

सूरत के अस्पताल में अवैध गर्भपात और जन्म से पूर्व लिंग की जांच से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़

सूरत/भाषा। सूरत में एक निजी अस्पताल में छापा मारकर कथित अवैध गर्भपात और जन्म से पहले लिंग की जांच से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यह छापा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रफुल्ल पनशेरिया के आदेश पर मारा गया। बाद में उन्होंने अस्पताल के संचालन में लापरवाही के लिए सूरत जिला स्वास्थ्य विभाग को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। प्राथमिकी के अनुसार, मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल पटेल के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को वराछा इलाके में स्थित ममता मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में छापा मारा। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अस्पताल में बिना जरूरी लाइसेंस के गर्भपात और प्रसव पूर्व लिंग जांच की जा रही थी। छापेमारी के दौरान अस्पताल के कर्मचारियों और वहां भर्ती तीन मरीजों के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया अस्पताल में अवैध गर्भपात और प्रसव पूर्व जांच की जा रही थी। इसके बाद अस्पताल को सील कर दिया गया।

स्कूल के लिए घर से निकली बच्ची को कुत्तों ने नोंचकर मार डाला

होशियारपुर/भाषा। पंजाब में होशियारपुर जिले के एक गांव में बुधवार सुबह आवारा कुत्तों के झुंड ने आठ वर्षीय एक बच्ची को नोंचकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मृत बच्ची की पहचान सलोनी के रूप में हुई है। उसने बताया कि सलोनी के पिता प्यारेलाल उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं तथा फिलहाल अपने परिवार के साथ वह टांडा थानाक्षेत्र में खराल खुर्द गांव में रह रहे हैं। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब साढ़े आठ बजे लड़की स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी तथा रास्ते में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उसे घेर लिया एवं नोंच डाला।

पुलिस के अनुसार जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसके परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में उन्होंने उसे सड़क किनारे खून से लथपथ पाया। पुलिस का कहना है कि सलोनी को तत्काल टांडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को अपने कब्जे में लिया और घटना की जांच शुरू कर दी।

उत्तराखंड: कैलाश मानसरोवर यात्रा महंगी हुई, 20 फीसदी ज्यादा मूल्य चुकाना होगा

नैनीताल/भाषा। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में लिपुलेख दर्रे के जरिए होने वाली वार्षिक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को अब 2.09 लाख रुपए का भुगतान करना होगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस बार चार जुलाई को शुरू हो रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी मुद्रा की कीमत ज्यादा होने के कारण तिब्बत में होने वाले यात्रा खर्च पर सीधा असर पड़ता है जबकि भारत में भी यात्रा दरें संशोधित हुई हैं और इसलिए इस बार श्रद्धालुओं को पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 20 फीसदी अधिक राशि खर्च करनी होगी। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय द्वारा तिब्बत के लिए शुल्क डॉलर में लिया जाता है, जिसमें वीजा, चिकित्सा और अन्य संबंधित खर्चे शामिल होते हैं।इसके अलावा, भारतीय क्षेत्र में श्रद्धालुओं को यात्रा, ठहरने, खाने और गाइड उपलब्ध कराने वाली एजेंसी कुमाउं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) ने भी अपने शुल्क संशोधित कर पिछले वर्ष के मुकाबले आठ हजार रुपए बढ़ा दिए हैं। इस बार भारतीय क्षेत्र में प्रति यात्री शुल्क 65,000 रुपए हो गया है।

देश में हमारे 664 विधायक, जिनमें 78% हिंदू और 12% मुस्लिम : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दुष्प्रचार फैलाने तथा वोटों को धार्मिक रंग में रंगने का आरोप लगाया और कहा कि देश में उसके 664 विधायक हैं जिनमें लगभग 78 प्रतिशत हिंदू तथा 12 प्रतिशत मुसलमान हैं।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब सोशल मीडिया मंचों पर भाजपा के कई समर्थकों ने असम, पश्चिम बंगाल और केरल में कांग्रेस से कई मुस्लिम उम्मीदवारों के निर्वाचित होने का हवाला देते हुए दावा किया है कि अब कांग्रेस ''नई मुस्लिम लीग'' है।

खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा कहती है कि उसे मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं है। भाजपा ने मुस्लिम वोटरों को ठुकराया और मुस्लिम मतदाताओं ने भाजपा को ठुकरा दिया। मुसलमानों ने भाजपा जैसी तथाकथित मुस्लिम पार्टियों को भी ठुकराया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी (कांग्रेस) को वोट दिया।

इसमें क्या दिक्कत है?'' उन्होंने कहा कि भाजपा वोटों को भी अलग-अलग रंग से रंगने की कोशिश कर रही है, जिसकी संविधान में इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा, ''देश में कांग्रेस के 664 विधायक हैं जिनमें करीब 78 प्रतिशत हिंदू और 12 प्रतिशत मुस्लिम विधायक है। लगभग यही अनुपात इन समुदायों की आबादी का है। मुझे शर्म आती है कि हम एक ऐसे में दौर में हैं कि ऐसी बातें करनी पड़ रही हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व दिया है। यही लोकतंत्र है और यही असल में 'सबका साथ, सबका विकास' है।'' खेड़ा ने दावा किया कि भाजपा देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों महिलाओं को कमजोर करना तथा संविधान बदलना चाहती है।

पाक के साथ द्विपक्षीय खेलों पर रोक जारी रहेगी, कई देशों की प्रतियोगिताओं को छूट: मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों पर पिछले साल पूरी तरह से लगाई गई रोक जारी रहेगी लेकिन सीमा पार से आने वाले खिलाड़ियों को कई देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए यहां आने से नहीं रोका जाएगा।

मंत्रालय ने खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और अंतरराष्ट्रीय खेल संचालन संस्थाओं के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई जिससे कि भारत को एक 'पसंदीदा खेल स्थल' के रूप में स्थापित किया जा सके। मंत्रालय ने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) सहित अन्य संस्थाओं को जारी एक सर्कुलर में कहा, ''जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं का संबंध है तो भारतीय टीमें पाकिस्तान में होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेंगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपनी 'विफलताओं' से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी अपनी 'विफलताओं' से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक ग्रंथों को राजनीति में 'घसीट' रही है।

महबूबा ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, खुदा के लिए, कुरान को राजनीति में मत घसीटिए। वे (नेकां) सरकार में रहने के दौरान पिछले दो वर्षों की अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। जनता उनसे निराश हैं।

प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी महबूबा, जादीबल के विधायक और नेकां के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक के उस बयान संबंधी पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं, जिसमें उन्होंने पीडीपी प्रमुख और उनके विधायकों से कुरान की शपथ लेकर यह स्पष्ट करने को कहा था कि क्या उन्होंने पिछले साल जम्मू कश्मीर में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं दिया था। इस संबंध में आरटीआई (सूचना का अधिकार) के मुताबिक, पीडीपी ने पिछले साल अक्टूबर में हुए राज्यसभा चुनावों के लिए कोई मुख्य प्रतिनिधि नियुक्त नहीं किया था। इसके बाद नेकां ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के तीन विधायकों ने चुनावों में भाजपा को वोट दिया था। महबूबा ने नेकां पर अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, नशे से लड़ने की आड़ में मकान गिराए जा रहे हैं। इससे पहले भी आतंकवाद से लड़ने के बहाने यही किया जाता था। कर्मचारियों को मनमाने ढंग से बर्खास्त किया जा रहा है, जबकि उच्च योग्यता प्राप्त छात्र मुश्किलें झेल रहे हैं। इस सरकार ने अब तक मूक दर्शक बनकर तमाशा देखा है। उन्होंने कहा कि नेंका को उनकी पार्टी से राजनीतिक रूप से लड़ने का पूरा अधिकार है, लेकिन ऐसा करते समय सत्ताधारी पार्टी को धार्मिक ग्रंथों का उपयोग नहीं करना चाहिए।

अनिवासी भारतीय घर खर्च के साथ निवेश के लिए भी खाड़ी से भेज रहे पैसे : सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद खाड़ी देशों से भेजे जाने वाले धन में बढ़ोतरी के बीच प्रवासी भारतीय अब केवल पारिवारिक जरूरतों के लिए ही नहीं, बल्कि निवेश के इरादे से भी पैसे भेज रहे हैं। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इक्रिरस वेल्थ की यह सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि विदेशी धनप्रेषण का स्वरूप अब 'जरूरत आधारित' की जगह 'रणनीति आधारित' होता जा रहा है, जिससे खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों के लिए भारत प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

खाड़ी क्षेत्र के 8,300 से अधिक उत्तरदाताओं पर आधारित इस सर्वेक्षण में पाया गया कि अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) द्वारा भेजी जाने वाली कुल रकम में करीब आधा हिस्सा निवेश और सेवानिवृत्ति योजना से जुड़ा है। इसमें निवेश का हिस्सा 27 प्रतिशत, सेवानिवृत्ति योजना का 22 प्रतिशत और पारिवारिक सहायता का 26 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेश को लेकर विदेश में रहने वाले भारतीयों के नजरिये में भी बदलाव दिख रहा है। लगभग 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने खुद को दीर्घकालिक या संतुलित निवेशक बताया, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भविष्य पर केंद्रित रुख को दर्शाता है। भारतीय शेयर बाजार निवेश का प्रमुख विकल्प बना हुआ है। सर्वेक्षण के मुताबिक, 73 प्रतिशत प्रतिभागियों ने भारतीय इक्विटी में अपना निवेश बढ़ाया है और आगे भी घरेलू बाजारों में निवेश का रुझान मजबूत रहने की संभावना है। वहीं, करीब 40 प्रतिशत उत्तरदाता भारत में रियल एस्टेट में अपनी हिस्सेदारी घटा रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक भौतिक परिसंपत्तियों से हटकर शेयर और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय साधनों की ओर रुख कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक जोखिम अब भी निवेशकों की प्रमुख चिंता बने हुए हैं। करीब 83 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि इनका उनके वित्तीय फैसलों पर असर पड़ता है। जोखिम के प्रमुख कारणों में क्षेत्रीय वैश्विक स्तर पर अस्थिरता (41 प्रतिशत), मुद्रास्फीति (23 प्रतिशत) और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव (13 प्रतिशत) शामिल हैं। वहीं, नौकरी और वीजा सुरक्षा अब 12 प्रतिशत के साथ चौथे स्थान पर है।

बंडि संजय ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान के बीच तेलंगाना सरकार से धान खरीदने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडि संजय कुमार ने बुधवार को तेलंगाना सरकार से बेसमौसम बारिश से फसल को हुए नुकसान के मद्देनजर धान की खरीद युद्धस्तर पर पूरी करने की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि भीषण गर्मी, अचानक बारिश और ओलावृष्टि के कारण किसानों को खरीद केंद्रों पर हो रही कठिनाइयों के बावजूद कांग्रेस सरकार सतर्कता नहीं दिखा रही है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार खरीद के लिए धनराशि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी धान की खरीद के संबंध में बहुत ज्यादा गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। रेड्डी वर्तमान में दिल्ली दौरे पर हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने मांग की कि बेमौसम बारिश के कारण गीले हो चुके धान को सरकार बगैर किसी आपत्ति के खरीदे और किसानों की मदद करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और अन्य सभी मंत्रियों को बिना देरी किए धान की खरीद पर ध्यान देना चाहिए।

ममता बनर्जी के रवैये पर मोहन यादव का तंज, ''रस्सी जल गई, लेकिन बल नहीं गया''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुरहानपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बावजूद पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार किए जाने को लेकर बुधवार को एक हिन्दी कहावत के जरिये बनर्जी के इस रवैये पर निशाना साधा।

यादव ने बुरहानपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम के दौरान कहा,''रस्सी जल गई, लेकिन

बल नहीं गयाचुनाव में इतनी बुरी हार होने के बाद भी बनर्जी कह रही हैं कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी।'' उन्होंने कहा,''ममता (बनर्जी), निर्ममता के साथ क्यों पेश आती हैं? जनता ने (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में) इसी बात का हिसाब चुकता किया है।''

यादव ने कहा कि 'देशविरोधी तत्वों' को बढ़ावा देने वाले नेताओं के ऐसे ही हाल होंगे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं के साथ झालमुड़ी खाकर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत का जश्न भी मनाया। उन्होंने बुरहानपुर में उद्योगपतियों से संवाद के दौरान निमाड़ अंचल में औद्योगिक निवेश सम्मेलन आयोजित करने और सुखपुरी को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की। यादव ने कहा कि राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का विस्तार जिला स्तर पर भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बुरहानपुर में केला और कपास जैसी फसलों को बढ़ावा देगी।

भाजपा नेता 'जय श्री राम' बोलते हैं पर तेलंगाना के लिए केंद्र से निधि नहीं मांगते: कोंडा सुरेखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी केवल जनसभाएं करती है और 'जय श्री राम' के नारे लगाती है, लेकिन राज्य के लिए केंद्र से निधि दिलाने में कोई भूमिका नहीं निभाती।

मंगलवार को वारंगल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुरेखा ने कहा, ''उन्हें वादों की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। ये लोग केवल सभाएं करते हैं और 'जय

श्री राम' बोलते हैं। क्या 'जय श्री राम' कहने से केंद्र से कोई धन मिलता है, कोई योजना मिलती है या कुछ और? कुछ नहीं मिलता। ये लोग मोदी जी को बुलाकर हिंदी में भाषण दिलवा देते हैं।'' उन्होंने तेलंगाना से केंद्र सरकार में मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों मंत्री भी केंद्र से राज्य के लिए निधि दिलाने की कोशिश नहीं करते और राज्य के साथ ''अन्याय'' होने पर भी चुप रहते हैं।

सुरेखा की इस टिप्पणी पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुत्व पर हमला करना अब पहले की तरह आसान नहीं रहा और हिंदू समाज ऐसे हमलों का जवाब देना जानता है जिसकी झलक हाल के चुनाव परिणामों में साफ दिखी है।

संजय कुमार ने कई उदाहरण गिनाते हुए कहा, ''-शबरिमला सोना चोरी पर पिनराई विजयन, 'सनातन धर्म मिटाओ' विवाद पर एम के स्टालिन, 'गंदा धर्म/मृत्यु कुंभ' जैसी टिप्पणी पर ममता बनर्जी, तिरुमला विवाद पर जगन मोहन रेड्डी तथा 'हिंदू बंधु' के तंज पर के. चंद्रशेखर राव जैसे विपक्षी नेताओं को मतदाता जवाब देते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जब भी आस्था को राजनीतिक हथियार बनाया गया, मतदाताओं ने अपने तरीके से जवाब दिया है।'' उन्होंने कहा, ''अब अगर तेलंगाना की एक मंत्री 'जय श्री राम' को केंद्रीय निधि से जोड़ रही हैं तो इसके बाद क्या होगा, ऐसे रुझान पहले ही मिल चुके हैं।''

नौ साल की पोती के साथ छेड़छाड़ करने पर 70 वर्षीय दादा गिरफ्तार

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र में पुणे के पार्वती इलाके में एक झुग्गी-झोपड़ी में अपनी नाबालिग पोती के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने वाले 70 वर्षीय एक व्यक्ति को घटना के कुछ ही घंटे बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे इस व्यक्ति ने नौ साल की अपनी पोती के साथ गलत हरकत की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, '' आरोपी ने नशे की हालत में अपनी नाबालिग पोती को बहला-फुसलाकर एक कमरे में बुलाया और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर सतर्क पड़ोसियों को इसकी भनक लग गई, जिन्होंने दरवाज़ा तोड़कर उसे बचाया।'' उन्होंने कहा कि पड़ोसियों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया और पुलिस को सूचित किया जिसके बाद एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, '' पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए तत्काल ससून जनरल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि मेडिकल रिपोर्ट में सामने आया कि उसके साथ यौन संबंध नहीं बनाया गया था।

कांग्रेस ने सरकार गठन के लिए टीवीके को समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस ने बुधवार को तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा की और कहा कि दोनों का नया गठबंधन भविष्य में स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों के लिए भी है। देश के मुख्य विपक्षी दल ने विजय को यह समर्थन इस शर्त के साथ दिया है कि टीवीके इस गठबंधन से ''सांप्रदायिक ताकतों'' को दूर रखेगी। कांग्रेस के टीवीके के साथ जाने के फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ उसके वर्षों पुराने गठबंधन का पटाक्षेप तय माना जा रहा है। हालांकि कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक के साथ संपर्क में है और एमके स्टालिन की पार्टी 'इंडि' गठबंधन का हिस्सा है।

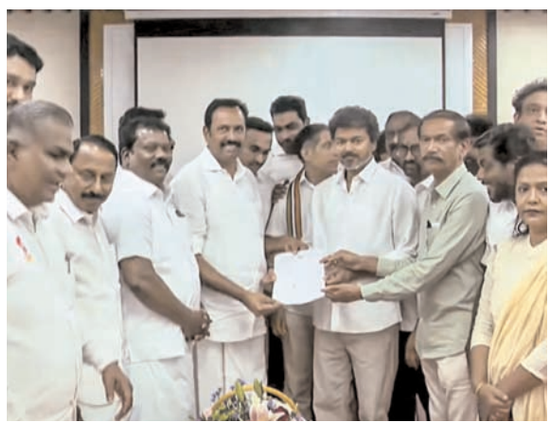

द्रमुक कांग्रेस पार्टी के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक है और दोनों दलों ने पहली बार 1971 में सबसे पहले हाथ मिलाया था जब विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हुए थे। द्रमुक 2004 से 2013 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार का हिस्सा थी। इसके बाद 2014 में द्रमुक अकेले लड़ी। 2016 में कांग्रेस ने द्रमुक के साथ फिर से गठबंधन किया। द्रमुक ने टीवीके के साथ जाने के कांग्रेस के कदम को पीठ में छूरा घोंपना करार दिया है। टीवीके के नेता विजय ने कांग्रेस नेतृत्व को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया था, जिसके बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने इस पर विचार किया और फिर तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी को निर्देशित किया गया कि वह राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में विजय को समर्थन देने के फैसले पर मुहर लगाई गई। इसी बैठक में कन्याकुमारी किल्लियूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एस राजेश कुमार को विधायक दल का नेता भी चुना गया।

चुनाव से पहले भी कांग्रेस ने टीवीके के साथ गठबंधन पर विचार किया था : कार्ति चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्ति चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले ही उनकी पार्टी के भीतर अभिनेता एवं नेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने के समर्थन में आवाज उठी थी। कार्ति ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''चुनाव से पहले पार्टी के भीतर ऐसी आवाजें उठी थीं जिनमें टीवीके के साथ गठबंधन की बात कही गई थी। इसमें कोई शक नहीं है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ अपना गठबंधन जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''कई लोगों का मानना था कि द्रमुक के साथ लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का सम्मान किया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, हम एक धर्मनिरपेक्ष सरकार चाहते हैं, और इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने टीवीके नेता द्वारा कांग्रेस से संपर्क करने का दावा करते हुए कहा कि पार्टी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए समर्थन दिया। कांग्रेस पार्टी ने टीवीके को अपना समर्थन सार्वजनिक रूप से घोषित कर दिया है, लेकिन यह तुरंत पता नहीं चल पाया है कि विजय की पार्टी को और किस पार्टी ने समर्थन दिया है। कार्ति ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस का द्रमुक के साथ केवल चुनावी गठबंधन है और वह सरकार का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि हालांकि, कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर द्रमुक के साथ मिलकर काम कर सकती है।

टीवीके के साथ जाना 'पीठ में छुरा घोंपना' नहीं, भाजपा को रोकना है मकसद : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कांग्रेस ने तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) के साथ गठबंधन को द्रमुक द्वारा पीठ में 'छुरा घोंपना' बताए जाने के बाद बुधवार को कहा कि तमिलनाडु में भाजपा को रोकने के मकसद से यह कदम उठाया गया है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी याद दिलाया कि 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले द्रमुक ने कांग्रेस के साथ गठबंधन खत्म करने का एकतरफा फैसला किया था।

पवन खेड़ा ने संवाददातओं से कहा, ''दिसंबर, 2013 में द्रमुक ने खुद निर्णय लिया कि 2014 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। क्या उस वक्त उनसे पूछा गया था कि यह पीठ में छुरा घोंपना है?''

उनका कहना था, ''इसे पीठ में छुरा घोंपना नहीं कह सकते। दो पार्टियां हैं, मिलकर चुनाव लड़ीं। मकसद क्या है? मकसद है कि कीचड़ नहीं फैलना चाहिए। कीचड़ को फैलने से रोकने के लिए समान विचार वाली पार्टियां मिलकर सरकार बना रही हैं तो उसमें क्या आपत्ति है।'' उन्होंने कहा कि जहां कीचड़ फैलता है वहां कमल खिलता है। कमल का फूल भाजपा का चुनाव निशान है।

कांग्रेस ने बुधवार को टीवीके को तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा की और कहा कि दोनों का नया गठबंधन भविष्य में स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों के लिए भी है। देश के मुख्य विपक्षी दल ने विजय को यह समर्थन इस शर्त के साथ दिया है कि टीवीके इस गठबंधन से ''सांप्रदायिक ताकतों'' को दूर रखेगी। कांग्रेस के टीवीके के साथ जाने के फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ उसके वर्षों पुराने गठबंधन का पटाक्षेप तय माना जा रहा है।

द्रमुक कांग्रेस पार्टी के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक है और दोनों दलों ने पहली बार 1971 में सबसे पहले हाथ मिलाया था जब विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ हुए थे।

"तमिलनाडु चुनाव में राजग के खराब प्रदर्शन के लिए अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन जिम्मेदार नहीं"

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हार के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजग के खराब प्रदर्शन का प्रमुख कारण भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन नहीं है। कांग्रेस, वीसीके, एमडीएमके और वामपंथी दलों के गठबंधन का नेतृत्व करने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के खिलाफ भाजपा और अन्नाद्रमुक ने गठबंधन किया था। हालांकि इस साल की शुरुआत में भाजपा और अन्नाद्रमुक गठबंधन में अंतर्कलह देखने को मिली थी जब तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने विधानसभा चुनाव के लिए अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन का विरोध किया था।

राजनीतिक समीक्षक सत्यलाया रामकृष्णन ने कहा कि साल 2024 का लोकसभा चुनाव अन्नाद्रमुक और भाजपा ने अलग-अलग लड़ा था, तब भी दोनों को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि हालिया विधानसभा चुनाव में तो अल्पसंख्यक मतदाताओं के महत्वपूर्ण समर्थन के बावजूद द्रमुक को भी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, इस बार, लोगों की पसंद बिल्कुल अलग थी और वे पूरी तरह से बदलाव चाहते थे। रामकृष्णन ने कहा कि अगर भाजपा और अन्नाद्रमुक अलग-अलग चुनाव लड़ते तब भी चुनाव परिणाम कुछ अलग नहीं होता। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी और टीवीके प्रमुख विजय ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में बड़ी जीत दर्ज की है जबकि स्टालिन कोलाथुर से अपनी सीट नहीं जीत सके, लिहाजा यह जनादेश था।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर दावा किया कि विपक्ष विभाजित था, ऐसे में द्रमुक अच्छा प्रदर्शन कर सकती थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन को लेकर अन्नामलाई की झिझक की वजह यह थी कि वह चाहते थे भाजपा राज्य में मजबूत विकल्प बने, न कि द्रविड़ विचारधारा वाले दलों की जूनियर सहयोगी।

उन्होंने कहा, अन्नाद्रमुक और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़तीं तो उनकी व्यक्तिगत क्षमता का पता चला।

उन्होंने कहा कि कुछ खबरें मिली हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाले चुनाव प्रचार अभियान में अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं का सहयोग नहीं मिला, जिसकी वजह से चुनाव में गठबंधन का प्रदर्शन खराब रहा। हालांकि, अन्नाद्रमुक के पूर्व पार्षद के. विल्वम ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन उनकी पार्टी के लिए बाधा बना।

विल्वम ने कहा, अगर अन्नाद्रमुक अकेले चुनाव लड़ती तो अल्पसंख्यकों के और ज्यादा वोट हासिल कर सकती थी।

आईआईटी मद्रास ने कैलिफोर्निया में केंद्र शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वाशिंगटन। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन ने अमेरिका में अपना पहला केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है, जिससे वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के गहन तकनीकी नवाचार की उपस्थिति का विस्तार होगा। कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क में स्थित इस केंद्र की घोषणा मंगलवार को मेरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित 'सेलेक्टयूएसए इन्वेस्टमेंट समिट' में की गई, जिसकी शुरुआत 24 अप्रैल को हुई थी।

आईआईटी मद्रास ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन के सीईओ तिरुमलई माधवनारायण ने पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सीए स्टार्टअप के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से स्थापित मेनलो पार्क केंद्र, आईआईटीएम ग्लोबल के अमेरिकी संचालन के लिए एक रणनीतिक आधार है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो प्रयोगशाला से वैश्विक बाजारों तक डीप-टेक' उद्यमों को गति प्रदान करे, साथ ही भारत में वैश्विक नवाचार को आकर्षित करे।''

नारायण ने बताया कि इस केंद्र को कुल 75 लाख अमेरिकी डॉलर के नियोजित निवेश से विकसित किया जाएगा, जिसमें आईआईटीएम ग्लोबल से 45 लाख अमेरिकी डॉलर का ग्रीनफील्ड निवेश शामिल है। सिलिकॉन वैली के निकट स्थित आईआईटीएम केंद्र को भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप' के लिए वैश्विक पूंजी, बाजार, मार्गदर्शन और साझेदारी तक पहुंच प्रदान करने वाले एक लॉन्चपैड के रूप में परिकल्पित किया गया है। आईआईटी मद्रास ग्लोबल प्रतिनिधिमंडल में आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित 'डीप-टेक स्टार्टअप' के संस्थापक शामिल थे, जिन्होंने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मुलाकात की।

क्वात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सेलेक्ट यूएसए समिट के दौरान आईआईटी मद्रास ग्लोबल के प्रमुख तिरुमलई माधवनारायण और आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित पांच 'डीप-टेक स्टार्टअप' अन्नी एआई, जीरोवाट, सटोरी एक्सआर, ग्रीनवॉयरमेंट और ईप्लेन कंपनी के प्रतिभाशाली संस्थापकों के साथ सार्थक बातचीत हुई।''

क्वात्रा ने कहा, ''हमने भारत और अमेरिका के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद रोमांचक नए अवसरों के बारे में चर्चा की। भारत-अमेरिका नवाचार सहयोग का भविष्य उज्ज्वल है।''

सुपरस्टार रजनीकांत ने द्रमुक प्रमुख स्टालिन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुपरस्टार रजनीकांत ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दो दिन बाद बुधवार को अलवरपेट में द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन के आवास पर उनसे मुलाकात की। सूत्रों ने रजनीकांत और स्टालिन की बैठक को एक शिष्टाचार भेंट बताया।

उन्होंने कहा कि रजनीकांत ने विधानसभा चुनावों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की हार के बाद स्टालिन के प्रति एकजुटता व्यक्त की। अभिनेता ने इससे पहले स्टालिन को भारतीय राजनीति का एक शीर्ष नेता बताया था। हालांकि, तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) नेता आधव अर्जुन ने मार्च में दावा किया था कि रजनीकांत ने द्रमुक से मिली धमकी के कारण राजनीति में प्रवेश नहीं किया। उन्होंने दावा किया था कि द्रमुक ने रजनीकांत पर दबाव डाला, ताकि वह राजनीति की दुनिया से दूर रहें, जबकि अभिनेता की इच्छा व्यवस्था को बदलने की थी। इसके बाद रजनीकांत ने 17 मार्च को अर्जुन को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा और रहस्यमय अंदाज में कहा, समय खुद कुछ नहीं बोलेगा। लेकिन वह उचित घड़ी आने पर अपना जवाब जरूर देगा।

वीसीके आज बैठक में लेगी निर्णय, वाम दलों और आईयूएमएल का टीवीके को समर्थन देने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी पार्टी वीसीके सात मई को अपने पदाधिकारियों की बैठक बुलाएगी जिसमें वह निर्णय लेगी कि टीवीके का समर्थन किया जाए या नहीं। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस बीच तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए टीवीके द्वारा राजनीतिक दलों से समर्थन मांगने के प्रयास किये जा रहे हैं। वीसीके की बैठक की अध्यक्षता पार्टी प्रमुख थोल थिरुमावलवन करेंगे।

थिरुमावलवन ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, विजय ने हमसे समर्थन मांगा है। हम अपनी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के विचार जानने के बाद निर्णय लेंगे। हालांकि, टीवीके के आमंत्रण के बावजूद वाम दलों और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने विजय की पार्टी को समर्थन देने से इनकार कर दिया है। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करके 108 सीट हासिल की। हालांकि, सरकार बनाने के लिए उसे 10 और सीटों की आवश्यकता है। 'विदुथलाई चिरुथैगल काची' (वीसीके) ने दो सीटें जीती हैं। सूत्रों के अनुसार, टीवीके ने वीसीके से समर्थन मांगा है। वीसीके ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। वीसीके सांसद रविकुमार ने टीवीके से समर्थन मांगने वाला पत्र मिलने की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''हमारे नेता (थिरुमावलवन) इस संबंध में निर्णय लेंगे और स्पष्टीकरण देंगे।'' इस बीच, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) उम्मीदवार आर चेल्लास्वामी और लता तथा भाकपा सदस्य टी रामचंद्रन और मरिमुथु, जिन्होंने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी, ने पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन से मुलाकात की। इसी तरह, आईयूएमएल के नवनिर्वाचित विधायक सैयद फारूक बाशा एसएसबी और ए एम शाहजहां ने भी द्रमुक अध्यक्ष से मुलाकात की। बाद में माकपा, भाकपा और आईयूएमएल के विधायकों ने दोहराया कि वे द्रमुक के प्रति अपना समर्थन जारी रखेंगे।

टीवीके और अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन के मुद्दे पर गेंद विजय के पाले में : कोवई सत्यन

चेन्नई। तमिलनाडु में बढ़ती सियासी सरगर्मी के बीच अन्नाद्रमुक नेता कोवई सत्यन ने बुधवार को कहा कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के बीच संभावित सहयोग के मुद्दे पर गेंद अब टीवीके प्रमुख विजय के पाले में है। चेन्नई में संवाददाताओं से बातचीत में सत्यन ने कहा कि हालांकि, दोनों खेमों के बीच तालमेल जोर पकड़ रहा है, लेकिन गठबंधन या समर्थन के सिलसिले में कोई भी औपचारिक फैसला अंतत: अन्नाद्रमुक का शीर्ष नेतृत्व ही लेगा।

सत्यन ने अन्नाद्रमुक के भीतर आंतरिक कलह या संभावित फूट की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। अन्नाद्रमुक के विभाजन का तो कोई सवाल ही नहीं उठता। सभी के बीच आम सहमति है और अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व लेगा। टीवीके के समर्थन मांगने से जुड़ी खबरों के बारे में पूछे जाने पर सत्यन ने दावा किया कि टीवीके ने अभी औपचारिक रूप से पत्र लिख किसी भी पार्टी से संपर्क नहीं किया है। हालांकि संचार के सभी माध्यम खुले हैं। सत्यन ने कहा, गेंद अब विजय के पाले में है। उन्हें सोच-समझकर फैसला लेना होगा कि वह अपना कार्यकाल पूरा करना चाहते हैं या 1.5 करोड़ युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए और अधिक पार्टियों को अपने विश्वास में लेने की कोशिश करना चाहते हैं। सरकार गठन और शक्ति प्रदर्शन के संबंध में अन्नाद्रमुक नेता ने कहा कि पार्टी राज्यपाल कार्यालय से स्थिति साफ होने की प्रतीक्षा कर रही है।

पार्टी मजबूत है, एक बार फिर विजयी होकर उभरेगी : द्रमुक

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को लोकतंत्र की एक सामान्य घटना करार देते हुए द्रमुक ने बुधवार को कहा कि उसने अपने लंबे राजनीतिक इतिहास में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के अनुसार, पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी अब भी जनता के कल्याण हेतु अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टी के उतार-चढ़ाव भरे इतिहास का हवाला देते हुए द्रमुक के संगठन सचिव आर.एस. भारती ने कहा कि 1991 के राज्य विधानसभा चुनाव में 234 सीट में से पार्टी केवल दो सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी। दिवंगत वरिष्ठ नेता एम. करुणानिधि हार्बर से और परिथी इलमवझुथी एग्मोर सीट से विजयी हुए थे। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 1991 को कौन भूल सकता है? उस साल हम हार गए थे। लेकिन 1996 में हमने वापसी की और सरकार बनाई। हमने सात दशक से अधिक लंबे इतिहास में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और पार्टी कार्यकर्ता दृढ़ संकल्प दिखाते हुए सत्ता से बाहर होने पर भी अच्छा काम करते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी (24.19 प्रतिशत) और 'जीतने वाली पार्टी' (34.92 प्रतिशत) के बीच वोट शेयर का अंतर 'बहुत अधिक नहीं' है। भारती ने विश्वास जताया है कि पार्टी एक बार फिर विजयी होकर उभरेगी। द्रमुक प्रमुख एक के स्टालिन ने चार मई को कहा कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में बहुत जीत और हार देखी हैं। इसलिए, केवल चुनावी जीत और हार नहीं बल्कि पार्टी का लक्ष्य और विचारधारा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि द्रमुक अब मुख्य विपक्षी दल के रूप में काम करेगी। तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए अभिनेता से नेता विजय की पार्टी 'तमिझगा वेत्री कड़गम' (टीवीके) 2026 के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल तीन नेताओं के बीच लामबंदी तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत के बाद पार्टी नेता वी. डी. सतीशन, के. सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला के समर्थक यह दावा कर रहे हैं कि जनता में लोकप्रियता, ज्यादा से ज्यादा विधायकों का समर्थन और पार्टी में अनुभव उनके नेता को मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त बनाता है। केरल में नौ अप्रैल को हुए चुनाव में यूडीएफ ने भारी बहुमत हासिल करते हुए 102 सीट जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की है। इस चुनाव में यूडीएफ को 2.15 करोड़ वोट में से एक करोड़ से अधिक वोट हासिल हुए। करीब एक दशक बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस की इस जीत के बाद सभी की निगाहें पार्टी आलाकमान पर टिकी हैं जो इस बात का फैसला करेगा कि राज्य में सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

कांग्रेस आलाकमान ने वरिष्ठ नेताओं मुकुल वासनिक और अजय माकन को केरल के लिए पार्टी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। यह प्रक्रिया जटिल है, क्योंकि केरल में कांग्रेस सरकार के गठन में धर्म और जाति जैसे कारक अक्सर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मुख्यमंत्री पद की दौड़ नायर समुदाय के तीन सदस्यों - चेन्निथला, वेणुगोपाल और सतीशन के बीच है। दिलचस्प बात यह है कि ये तीनों ही कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री करुणाकरण के शिष्य हैं।

चेन्निथला और सतीशन ने क्रमशः हरिपाद और परवूर में अपने-अपने गढ़ों में भारी अंतर से जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस महासचिव (संगठन) वेणुगोपाल ने चुनाव नहीं लड़ा। अटकलें तेज होने के साथ ही नेताओं ने पार्टी आलाकमान के प्रति अपनी निष्ठा और शक्ति का प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनके समर्थकों ने व्यापक सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से और बड़े स्वागत समारोहों का आयोजन करके अपने-अपने नेताओं के लिए प्रचार तेज कर दिया है, जैसे कि एर्नाकुलम में सतीशन और नयी दिल्ली में वेणुगोपाल के लिए समारोह आयोजित हुए।

नेहरू-गांधी परिवार के विश्वासपात्र माने जाने वाले चेन्निथला ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद कहा कि यूडीएफ की ऐतिहासिक जीत का श्रेय राहुल गांधी को जाता है। उन्होंने चुनाव पर बड़ा प्रभाव डालने वाली पांच गारंटी का श्रेय भी गांधी को ही दिया। उन्होंने कहा, इस जीत के पीछे सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की रही। उन्होंने दिल्ली में सभी नेताओं को बुलाया, जीत की आवश्यकता पर चर्चा की और हमें एकजुट टीम के रूप में काम करने का मार्गदर्शन दिया। यूडीएफ ने एकजुट होकर काम किया। यह नेतृत्व राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदान किया।''

चेन्निथला ने कहा, ''प्रियंका गांधी की सक्रिय उपस्थिति और सोनिया गांधी का आशीर्वाद भी हमारे साथ था। राहुल गांधी द्वारा घोषित पांच गारंटी का चुनाव पर गहरा प्रभाव पड़ा। हम इन सभी पांच वादों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करेंगे।'' वहीं दूसरी ओर, सतीशन के समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वही मुख्यमंत्री पद के योग्य हैं।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)
अनुसंधान भवन, 2, रफ़ी मार्ग, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं. 02/2026

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड (सीएसआईआर-आरएबी), नई दिल्ली में अध्यक्ष के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भत्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 16 (रु. 2,05,400-2,24,400) में अथवा खोज सह चयन समिति द्वारा अनुशंसित समेकित वेतन पर आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता, मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट www.csir.res.in पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 02/2026 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडाटा सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी drc.hqrs@csir.res.in पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफ़ी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक 15/06/2026 को अथवा उससे पहले भेजें।

CBC 36202/11/0001/2627

उप मुख्यमंत्री ने किया ग्राम रथ का पूजन और प्रचार साहित्य का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ग्राम रथ सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि इस पहल से आमजन को योजनाओं की स्पष्ट और सरल जानकारी मिल रही है, जिससे पात्र लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचना सुनिश्चित हो रहा है और जागरूकता का स्तर निरंतर बढ़ रहा है। राजसमंद प्रवास के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत राज्यावास में आयोजित ग्राम रथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम रथ के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही योजनाओं और सरकार की उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर उनका अधिकतम लाभ उठाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभाग द्वारा तैयार प्रचार सामग्री, पुस्तिकाएं एवं ब्रोशर का वितरण किया तथा ग्रामीणों से फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रशासन और आमजन के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बन रहा है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जनसहभागिता दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा, प्रोटोकॉल अधिकारी बृजेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

40 हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भिवाड़ी इकाई ने बुधवार को कोटपूतली बहरोड के पटवारी प्रमोद सामरिया को कथित तौर पर 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार, परिवादी ने अपनी शिकायत में कहा कि उसके पिता की पैतृक जमीन के बंटवारे का मामला एसडीएम अदालत में पांच-छह वर्ष से विचाराधीन था।

अदालत ने 20 जून 2025 को निर्णय देते हुए पटवारी को रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आरोपी पटवारी रिपोर्ट पेश नहीं कर रहा था और इसके एवज में एक लाख रुपये रिश्वत की मांग कर रहा था।

दिल्ली पुलिस ने 'सेक्सटॉर्शन' गिरोह के सरगना को राजस्थान से गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली पुलिस ने 21 वर्षीय एक युवक को फर्जी वीडियो कॉल और ब्लैकमेल कर उससे 2.52 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में राजस्थान के मेवात क्षेत्र से एक 'सेक्सटॉर्शन' गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी बुधवार को एक अधिकारी ने दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अब्बास खान के रूप में हुई है, जो राजस्थान के अलवर जिले का निवासी है। वह सेक्सटॉर्शन और धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल रहा है तथा साइबर अपराध नेटवर्क में सरगना के रूप में काम करता था।

इसने कहा कि यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली के एक निवासी ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई कि एक महिला से 'फ्रेंड रिक्वेस्ट' मिलने के बाद उससे उगाही की गई। पुलिस के अनुसार, चैट के दौरान शिकायतकर्ता ने अपना मोबाइल नंबर साझा किया, जिसके बाद उसे एक वीडियो कॉल आया, जिसमें अश्लील सामग्री दिखाई गई। फोन कटते ही उसे धमकियां मिलने लगीं कि उसका वीडियो बना लिया गया है और यदि उसने पैसे नहीं दिए तो इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। इसने बताया कि बदनामी के डर से पीड़ित ने कई किस्तों में कुल 2.52 लाख रुपये हस्तांतरित कर दिए। शिकायत के आधार पर 12 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया खातों, प्रोफाइल, डिजिटल फुटप्रिंट और बैंक लेन-देन के विश्लेषण से पता चला कि इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए फर्जी पहचान और 'म्यूल' बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया।

इसने कहा कि जांच के दौरान पुलिस टीम मेवात क्षेत्र तक पहुंची, और स्थानीय पुलिस की मदद से अलवर के एक गांव में छापेमारी की गई, जहां से खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि पीड़ितों को फंसाने के लिए महिलाओं के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाए जाते थे और 'स्क्रीन-रिकॉर्डेड वीडियो' कॉल के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच जारी है।

मुख्य सचिव श्रीनिवास से भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं, महिला एवं बाल विकास, पोषण, शिक्षा तथा बाल अधिकार संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्रदेश में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में संचालित मा योजना(मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना) से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हुई हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में यूनिसेफ के सहयोग से नवाचार किये जा रहे हैं। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में बहुभाषीय शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रभावी कार्य किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा कुलदीप रांका ने कहा कि यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से संचालित युवा सेतु कार्यक्रम युवाओं के लिए अवसरों का सशक्त माध्यम बन रहा है। कार्यक्रम के तहत युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकास एवं कौशल संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं नवाचार आधारित गतिविधियों के परिणामस्वरूप मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। प्रदेश में पूर्ण टीकाकरण अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं एवं एएनएम को प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से उनकी तकनीकी दक्षता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यूनिसेफ के सहयोग से आशा कार्यकर्ताओं को ग्रोथ मॉनिटरिंग तथा डेटा वैलिडेशन संबंधी प्रशिक्षण को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

सिंथिया मैककैफ्रे ने कहा कि यूनिसेफ की आगामी वर्ष 2026-29 की कार्ययोजना के अंतर्गत यूनिसेफ नीति निर्माण, तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएंगे। एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से विकास के प्रमुख क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों को दूर कर विकसित राजस्थान के लक्ष्य को गति दी जाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता दिनेश कुमार, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ.जोगाराम व अन्य सम्बंधित वरिष्ठ अधिकारी एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु सरकार प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को राजसमंद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सांगठकला में आयोजित भव्य समारोह में 67 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रदेश के साथ-साथ राजसमंद में भी विकास कार्यों को गति मिली है।

दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की जा रही हैं, जिससे आमजन के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है।

समारोह में सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार प्रत्येक व्यक्ति के समग्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे और समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि डबल इंजिन की सरकार का लक्ष्य केवल विकास कार्यों का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करना भी है। इस अवसर पर कुंभलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजसमंद जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सांगठकला से सहाडा गंगापुर वाया साकरोदा, सुन्दरचा, तासोल, खटामला एवं बिनोल तक 28.90 किलोमीटर लंबाई के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण कार्य रहा, जिसकी लागत 47.96 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त पुठोल में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन का उद्घाटन भी किया गया।

पानी की टंकी में डूबने से दो बच्चियों की मौत

जयपुर। जयपुर के शिप्रापथ थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम दो मासूम बच्चियों की पानी के टंकी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना जगन्नाथपुरी इलाके में हुई, जहां बच्चियां अपने किराए के मकान के पास बने एक अर्द्धनिर्मित घर के पानी से भरे टैंक में खेलते समय गिर गईं। थाना प्रभारी महेंद्र यादव ने बताया कि दोनों बच्चियां शाम को खेलने निकली थीं और जब वे देर रात तक घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की।

यादव के अनुसार खोजबीन के दौरान बच्चियों की चप्पलें निर्माणाधीन मकान की टंकी के पास मिलीं और जब परिजनों ने टंकी में देखा तो दोनों वहां मिलीं। उन्होंने बताया कि बच्चियों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

भाजपा सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं उसके ही विधायक : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि उसके खुद के ही विधायक सरकारी दावों की पोल खोल रहे हैं। गहलोत ने आंगनबाड़ी के पोषाहार की खराब गुणवत्ता को लेकर भाजपा के एक विधायक की कतिपय टिप्पणी के हवाले से यह बात कही। उन्होंने कहा, राजस्थान की भाजपा सरकार में क्या चल रहा है? खुद सत्ताधारी दल के विधायक ही आज सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं।

गहलोत के अनुसार, उदयपुर की समीक्षा बैठक में गोगुंदा से भाजपा विधायक प्रताप गमेती का यह कथन बेहद विचलित करने वाला है कि 'आंगनबाड़ी के पोषाहार को जानवर भी नहीं खाते।'

कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा ग्राम -2026 : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री तथा चूरू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को जिले के रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बुधवाली में सांध्य चौपाल में आमजन के अभाव अभियोग सुने तथा ग्राम रथ अभियान कार्यक्रम में शिरकत कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने योजनाओं की जानकारी देते हुए आमजन से ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)- 2026 में अधिकतम भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर गहलोत ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाएं समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छात्रवृत्ति, पेंशन, स्वरोजगार एवं विभिन्न सहायता योजनाओं के माध्यम से सरकार हर वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने राजस्थान को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प लिया है। आज राजस्थान के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्धता करवाई जा रही है। हमारी सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल समझौते के माध्यम से मीठा पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पित प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अंतर्गत परम्परागत जल स्रोतों को सुदृढ़ करने का काम किया जा रहा है। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वीबी जीरामजी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार अवसरों को सुदृढ़ करने व जनोपयोगी कार्य करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसी के साथ करीब 350 परीक्षाएं बिना पेपरलीक संपन्न हुई हैं और युवाओं का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

इस दौरान उन्होंने आमजन के परिवाद सुनें और अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

इसलिए विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। आमजन को चाहिए कि वे ग्राम रथ से योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार आवेदन कर लाभ लें। उन्होंने युवाओं, किसानों एवं महिलाओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लें।

इसी के साथ ग्राम रथ में रखी सुझाव पेटिका में राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के लिए अपने सुझाव भी दें।

राजसमंद के राज्यावास में उपमुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजसमंद जिले की ग्राम पंचायत राज्यावास में आयोजित रात्रि चौपाल में सहभागिता कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। उप मुख्यमंत्री ने चौपाल के दौरान एक-एक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है और प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए प्रत्येक व्यक्ति को राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, विकास अधिकारी भवानी शंकर सहित कई जनप्रतिनिधि-अधिकारी उपस्थित रहे।

दर्शन

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य की प्रगति, समृद्धि एवं जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। मंदिर मण्डल पदाधिकारियों द्वारा परंपरा अनुसार उप मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया।

राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कम होने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आने वाले दिनों में आंधी बारिश की गतिविधियों में कमी आने व तापमान बढ़ने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में आगामी दिनों में आंधी बारिश की गतिविधियों में कमी होने होगी। हालांकि राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में आगामी दो-तीन दिन हल्के बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं आगामी 3-4 दिन में अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। नौ मई को जोधपुर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज होने व पश्चिमी भागों में 'ऊष्ण हवाओं' का नया दौर इसी दिन से शुरू हो सकता है।

उत्तर प्रदेश के रक्षा गलियारों में 35,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के छह रक्षा औद्योगिक गलियारों लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट के लिए 35,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यहां न्यू कैंट में आयोजित तीन दिवसीय 'नॉर्थटेक सिंपोजियम' के समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश सरकार ने एक बड़ा भूमि बैंक तैयार किया है। रक्षा और वैमानिकी नीति के माध्यम से निवेश के इच्छुक निवेशकों को प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा, '' अलीगढ़ में छोटे हथियारों, रक्षा उपकरणों और सैन्य सामग्रियों के उत्पादन के रूप में यह केंद्र उभरा है। इसके साथ ही परंपरागत रूप से 'पूर्व का मैनचेस्टर' कहलाने वाला कानपुर गोला-बारूद, मिसाइल, डिफेंस टेक्सटाइल और प्रोटेक्टिव गियर के विनिर्माण का केंद्र बिंदु बन गया है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल और भारी रक्षा विनिर्माण पर ध्यान दिया गया है। चित्रकूट और आगरा को वैमानिकी और रक्षा में सटीक इंजीनियरिंग के गढ़ के रूप में विकसित किया जा रहा है। '' उन्होंने कहा, ''सैनिकों की क्षमता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारों में तोप के गोले, ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट और उन्नत संचार प्रणालियों का विनिर्माण किया जा रहा है। रक्षा विनिर्माण गलियारे के लिए आवश्यक सहयोग उत्तर प्रदेश में मौजूद है...।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर ड्रोन के लिए उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश में 21,000 से अधिक स्टार्टअप विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित हुए हैं। इनमें एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर आदि क्षेत्रों के स्टार्टअप शामिल हैं।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, '' मजबूत परिवेश का निर्माण हुआ। आज हम कह सकते हैं कि एक्सप्रेसवे, हाइवे, रेल संपर्क, मेट्रो और हवाई संपर्क के रूप में सबसे अच्छा आधारभूत ढांचा उत्तर प्रदेश के पास है।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए देश की उभरती स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की सराहना की। तीन दिवसीय इस आयोजन में आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप विकसित अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों का व्यापक प्रदर्शन किया गया है।

प्रदर्शनी के दौरान मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ जैकेट, टैक्टिकल गियर, अत्याधुनिक हेलमेट और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में 'ऑपरेशन' के लिए विकसित सैन्य उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया।

'नॉर्थटेक सिंपोजियम' का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चार मई को किया था। इसमें रक्षा क्षेत्र में कार्यरत 250 से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियां पेश कीं।

मुख्यमंत्री यहां से वरिष्ठ भाजपा नेता और इलाहाबाद सीट से पूर्व सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी के आवास गए। वहां उन्होंने रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी के निधन पर दुख व्यक्त किया और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी।

रीता बहुगुणा जोशी के पति का चार मई को लखनऊ में निधन हो गया था।

जमीन विवाद को लेकर भाजपा के दो विधायक आमने-सामने

उन्नाव/भाषा। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में जमीन से जुड़े एक विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो विधायकों के बीच विवाद खुलकर सामने आ गया।

मोहान सीट से भाजपा विधायक ब्रजेश रावत ने सदर विधायक पंकज गुप्ता और उनकी बहन दीप्ति गुप्ता पर जमीन कब्जाने की कोशिश, गाली-गलौज और हाथापाई करने का आरोप लगाया।

मामला कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर नवीन मंडी के पास वाजिदपुर-राजेपुर गांव में एक जमीन से जुड़ा हुआ है। भाजपा विधायक ब्रजेश रावत ने कहा कि उन्हें ननिहाल से करीब छह बीघा जमीन मिली है जबकि उन्नाव सदर सीट से पार्टी विधायक पंकज गुप्ता का कहना है कि यह जमीन उन्होंने अपनी बहन दीप्ति गुप्ता के नाम पर खरीदी है। रावत ने दावा किया कि पूर्व में विवाद बढ़ने पर मामला दीवानी अदालत में दाखिल किया गया था, जहां से स्थगन आदेश मिल चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार को दीप्ति गुप्ता की ओर से जमीन पर खम्बे लगवाए जा रहे थे और जब वह मौके पर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज और हाथापाई की। रावत ने उच्चाधिकारियों और सदर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई का अनुरोध किया।

भाजपा के 'मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' मॉडल ने पूरे लोकतंत्र को जकड़ लिया : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश और देश के विभिन्न चुनावों में '10 नंबरी मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' के सक्रिय होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के इस मॉडल ने पूरे लोकतंत्र को 'जकड़' लिया है। यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भाजपा और निर्वाचन आयोग पर विभिन्न चुनावों व उपचुनावों में मिलकर धांधली कराने के गम्भीर आरोप लगाये और कहा कि देश में 'मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया' सक्रिय है।

सपा प्रमुख ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि 'अनरजिस्टर्ड, अंडरग्राउंड संघी साथी आज भी खुफियागीरी और मुखबिरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब चुनाव होता है तो 'अनरजिस्टर्ड संघी' साथी हर बूथ स्तर पर खुफियागीरी करते हैं। ये लोग विभिन्न संस्थाओं का मुखौटा लगाकर धर्म, न्याय क्षेत्र एवं विश्वविद्यालयों, संस्कृति, भाषा, संस्कार के संगठनों या परिषदों के रूप में देश को अपने स्वार्थ के लिए दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। इनके तार विदेशों तक से जुड़े हुए हैं इसलिए आजकल यह स्वदेशी वाले विदेशी भ्रमण पर रहते हैं।

सपा प्रमुख ने वर्ष 2022 में हुए उप्र विस चुनाव में छिबरामउ, मड़ियाहूं और शाहगंज सीट तथा उसके बाद हुए कुंदरकी, रामपुर और मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में सपा को नजदीकी हार में धांधली का आरोप लगाये और कहा कि पार्टी ने निर्वाचन आयोग से इस 'वोटों की डकैती' की अनेक शिकायतें कीं लेकिन आयोग ने एक पर भी कार्रवाई नहीं की। यादव ने अपने दावे के समर्थन में चुनाव आयोग को लिखे गए शिकायती पत्रों के बंडल भी दिखाये। सपा प्रमुख ने कहा कि सपा ने भाजपा की 'वोट डकैती' से जुड़े 18 हजार मामले पकड़े थे लेकिन आयोग ने उनमें से एक पर भी कार्रवाई नहीं की।

बंगाल में नई भाजपा सरकार का शपथग्रहण नौ मई को होगा, मोदी, शाह के शामिल होने की संभावना

कोलकाता/भाषा। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख समिक भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि राज्य में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज करते हुए तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सुबह 10 बजे शुरू होने वाले शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और कई केंद्रीय मंत्रियों के उपस्थित रहने की उम्मीद है।

भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, ''नई भाजपा सरकार 9 मई को सुबह 10 बजे ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेगी।''

खास बात यह है कि शपथग्रहण समारोह बंगाली पंचांग के बैसाख महीने के 25वें दिन आयोजित किया जाएगा जिसे पूरे राज्य में रवींद्र जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती है। इससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता की झलक नजर आएगी।

प्रदेश भाजपा सूत्रों के अनुसार, राजनीतिक हलकों में इस तारीख के चयन को भाजपा द्वारा बंगाल की सांस्कृतिक परिकल्पना में अपने ऐतिहासिक उदय को स्थापित करने और तृणमूल कांग्रेस द्वारा इसे बंगाल की भाषाई एवं बौद्धिक लोकाचार से अलग ''बाहरी लोगों की पार्टी'' बताए जाने का मुकाबला करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों की बैठक आठ मई की शाम बुलाई गई है, हालांकि नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चुप्पी साधे हुए है।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की जिससे वर्षों के संगठनात्मक विस्तार और तीव्र वैचारिक ध्रुवीकरण के बाद बंगाल में इसकी पहली सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मणिपुर में सुरक्षा बल शक्ति के स्तंभ के रूप में दृढ़ता से खड़े रहेः राज्यपाल भल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार को कहा कि सुरक्षाबलों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखा और शक्ति के स्तंभ के रूप में दृढ़ता से खड़े रहे।

'राज्यपाल का यूनिट प्रशस्तिपत्र-2026' से जुड़े अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए भल्ला ने शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करने वाले सशस्त्र बलों के समर्पण, साहस और अनुकरणीय सेवा की सराहना की। उन्होंने सेना,असम राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), बीआरटीएफ और मणिपुर जिला पुलिस की उत्कृष्ट इकाइयों को उनकी सेवाओं के लिए राज्यपाल प्रशस्तिपत्र प्रदान किए। हाल के वर्षों में राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा, ''सुरक्षा बल शक्ति के स्तंभ के रूप में मजबूती से खड़े रहे, कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए कानून और व्यवस्था बनाए रखी और लोगों के बीच सुरक्षा की भावना को बहाल किया।'' भल्ला ने सुरक्षाकर्मियों के परिवारों के समर्थन और बलिदान को भी स्वीकार किया। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने विभिन्न समुदायों के लोगों की जान बचाने और मानवीय सेवाएं प्रदान करने में केंद्रीय व राज्य बलों के योगदान की सराहना की। कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा बलों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने विभिन्न समुदायों के बीच संबंधों को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों में जनता के समर्थन और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

'इंडिया' गठबंधन जल्द ही टूट जाएगा, इसका कारण राहुल गांधी होंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ''अयोग्य नेता'' बताते हुए कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन का संचालन करने में असमर्थ हैं तथा उनके नेतृत्व के कारण विपक्षी गठबंधन टूटने के कगार पर है।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने चुनावों में ''वोट चोरी'' का आरोप लगाने को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो स्वयं चोर होते हैं वे दूसरों को भी चोर समझते हैं। पात्रा की यह टिप्पणी गांधी द्वारा 'एक्स' पर किए गए उस पोस्ट के बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि लोकसभा में भाजपा के 240 सांसदों में से लगभग हर छठा सांसद ''वोट चोरी'' के जरिए जीता है। पात्रा ने कहा, ''राहुल गांधी ने आज पोस्ट किया कि न सिर्फ वोट और सीट चोरी हो रही हैं, बल्कि अब पूरी सरकार ही चोरी हो गई है। क्या यह कोई सरकार है या आपके जीजा की कोई ज़मीन जिसे चुराया जा सकता है? चोर तो हर किसी को चोर ही समझता है।'' भाजपा सांसद ने गांधी द्वारा कथित तौर पर हरियाणा सरकार को ''घुसपैठियों की सरकार'' कहे जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने पूछा, जनता ने मतदान किया और यह भाजपा की सरकार है। विधायक जनता द्वारा चुने गए हैं और मुख्यमंत्री भी जनता द्वारा चुने गए हैं। ऐसे में उन्हें घुसपैठिया कहना कैसे सही है? पात्रा ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन आंतरिक रूप से बिखर रहा है और यह गठबंधन कुछ ही हफ्तों में टूट जाएगा तथा इसके लिए गांधी जिम्मेदार होंगे।

झारखंड के लातेहार में दो माओवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

लातेहार/भाषा। प्रतिबंधित झारखंड जन मुक्ति परिषद से जुड़े दो माओवादियों को हथियार और गोला-बारूद के साथ लातेहार जिले के कुरुखेता जंगल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने बताया कि मंगलवार को एक खुफिया सूचना के बाद जंगल में चलाए गए एक अभियान के दौरान मनोज लोहरा (26) और महादेव सिंह (24) को पकड़ा गया। उन्होंने कहा, उनके बयान के आधार पर हमने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। संगठन के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। अधिकारी ने बताया कि बरामद की गई वस्तुओं में एक एके-47 राइफल, 318 कारतूस, मोबाइल फोन और सिम कार्ड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बिहारः विश्व बैंक से 4750 करोड़ रुपए के ऋण को मंजूरी, बदलेगी शहरों की तस्वीर

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें 'बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम' के लिए विश्व बैंक से 4750 करोड़ रुपए के ऋण लेने को स्वीकृति प्रदान करना शामिल है।

मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बैठक के बाद बताया कि कृत्रिम मेधा (एआई) मिशन के गठन से लेकर इलेक्ट्रिक बस सेवा और इलेक्ट्रॉनिक मतदान व्यवस्था तक कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिनसे राज्य में आधुनिक एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम' के माध्यम से शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास, आर्थिक एवं आधारभूत संरचना का विस्तार तथा शहरीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम राज्य में सतत, जलवायु-संवेदनशील और आर्थिक रूप से सशक्त शहरीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा, जिससे दीर्घकालिक शहरी विकास और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पटना सहित बिहार के प्रमुख शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 400 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन को मंजूरी दी है। अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत पटना को 150 बसें तथा मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, दरभंगा और पूर्णिया को 50-50 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए सरकार ने 517.16 करोड़ रुपए के पुनरीक्षित व्यय को मंजूरी दी है।

बिहारः सात मई को मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं निशांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली सरकार में शामिल होने पर सहमति दे दी और उनके बृहस्पतिवार को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार समारोह में मंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

करीब दो महीने पहले जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वाले निशांत कुमार (45) पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आग्रह के बाद सरकार में शामिल होने के लिए तैयार हुए हैं। सूत्र ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''जब से निशांत पार्टी में शामिल हुए हैं, तभी से कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि वह सरकार का हिस्सा बनें। पिछले महीने उन्हें उपमुख्यमंत्री भी बनाया जा सकता था लेकिन वह हिचकिचा रहे थे। अंततः उन्होंने सहमति दे दी है।'' नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के समय से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि जदयू प्रमुख के उत्तराधिकारी माने जा रहे निशांत कुमार मंत्रिपरिषद में शामिल होंगे।

निशांत ने हालांकि यह कहते हुए मंत्री पद लेने से इनकार कर दिया था कि वह पहले पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। इसके बाद जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को मंत्री बनाया गया। सूत्रों ने दावा किया कि बृहस्पतिवार को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में पार्टी के लगभग एक दर्जन नेता मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होंगे। इससे पहले जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा था कि उनकी पार्टी राज्य मंत्रिमंडल में 16 मंत्री पद चाहती है। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा वाले राज्य में मंत्रिमंडल की अधिकतम संख्या 30 हो सकती है। जदयू कोटे से जिन नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, उनमें अशोक चौधरी, श्रवण कुमार और लेशी सिंह प्रमुख हैं।

बंगाल चुनाव में 50,000 से अधिक मतों के अंतर वाली अधिकांश सीट भाजपा के खाते में

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 207 सीटों के साथ प्रचंड जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में करीब 60 प्रतिशत ऐसी सीट अपनी झोली में डाली है, जहां हार-जीत का अंतर 50 हजार से अधिक था। निर्वाचन आयोग के ये आंकड़े इस चुनाव में पार्टी के प्रभुत्व के पैमाने को प्रदर्शित करते हैं।

भाजपा ने सोमवार को 294-सदस्यीय विधानसभा में 207 सीट जीतकर इतिहास रच दिया और दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल करते हुए राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया।

इस चुनाव में कम से कम 39 सीट पर जीत का अंतर 50,000 मतों से अधिक रहा। इनमें से भाजपा ने 23 सीट जीतीं, तृणमूल कांग्रेस ने 15 सीट हासिल कीं, जबकि एक सीट आम जनता उन्नयन पार्टी के खाते में गई। यह विश्लेषण निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों पर आधारित है। भाजपा ने बड़े अंतर वाली सीटों पर सर्वाधिक सेंध लगाई है जबकि उन अधिकांश सीटों पर वह दूसरे स्थान पर रही जो तृणमूल कांग्रेस ने जीती।

शिलांग हवाई अड्डे के रनवे विस्तार कार्य को केंद्र ने दी मंजूरीः मेघालय के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उमियाम (मेघालय)/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने शिलांग हवाई अड्डे के रनवे की लंबाई बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने इस परियोजना को राज्य में पर्यटन और संपर्क को बढ़ाने देने वाला करार दिया।

संगमा ने उमियाम के ऑर्किड लेक में आयोजित 'एंपॉवरमेंट ऑफ टूरिज्म चैंपियंस ऑफ मेघालय' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परियोजना के लगभग 15 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है और इससे बड़े विमानों का परिचालन संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह मेघालय में पर्यटन के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने और देश-विदेश से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बेहतर संपर्क की जरूरत है।

संगमा ने कहा कि पर्यटन तभी सफल हो सकता है जब सभी हितधारक एक व्यापक तंत्र के हिस्से के रूप में मिलकर काम करें। उन्होंने कहा, ''पर्यटन केवल सरकार के प्रयासों से या अलग-अलग होटल मालिकों, टैक्सी संचालकों, रेस्तरां मालिकों या अन्य हितधारकों के प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। पर्यटन तभी फलता-फूलता है जब प्रत्येक हितधारक अपनी भूमिका निभाता है।''

मां के शव के पास रोती बच्ची की वीडियो से स्तब्ध पटनायक ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने को कहा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में एक गर्भवती महिला के शव के पास रोती हुई तीन साल की बच्ची का वीडियो सामने आने पर स्तब्ध बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने बुधवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पत्र लिखकर महिला की हत्या मामले में हस्तक्षेप और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गंजाम जिले के हिंजिली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत खरिडा गांव में हुई इस जघन्य घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा, ''तीन साल की बच्ची का अपनी मां के शव के पास रोना ओडिशा की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है।'' खबरों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार, 21 वर्षीय गर्भवती महिला पूजा स्वैन की उसके ससुराल के घर के बाहर धरने पर बैठने के दौरान हत्या कर दी गई। वह अपनी बेटी के अधिकारों की मांग कर रही थी। पत्र में पटनायक ने कहा कि महिला अपने पति के घर के सामने धरना दे रही थी, तभी उस पर हमला किया गया। उन्होंने कहा, '' मुख्यमंत्री और राज्य के गृह विभाग के प्रभारी मंत्री के तौर पर मैं आपसे आग्रह करता हूं कि पुलिस को निर्देश दें कि सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, इस घटना की गवाह बनी तीन वर्षीय बेटी के लिए तत्काल राज्य की ओर से देखभाल, मुआवजा और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए तथा जांच हो कि जब पीड़िता न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठी थी, तब पुलिस ने कोई निवारक कार्रवाई क्यों नहीं की।'' पटनायक ने कहा, ''मैं आपसे व्यक्तिगत हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिले और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।''

'जीती गई दो विधानसभा सीट में से एक 10 दिन में खाली कर दूंगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दो सीट भवानीपुर और नंदीग्राम पर जीत दर्ज करने वाले भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि वह 10 दिनों के भीतर इनमें से एक सीट से इस्तीफा दे देंगे।

अधिकारी ने भवानीपुर सीट पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पराजित किया जबकि नंदीग्राम सीट पर लगातार तीसरी बार जीत हासिल की।

अधिकारी ने यह भी कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा कि वह कौन सी सीट बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं 10 दिन के भीतर एक सीट खाली कर दूंगा। पार्टी तय करेगी कि मैं कौन सी सीट रखूंगा। भवानीपुर और नंदीग्राम के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी मैं नहीं भूलूंगा।''

भवानीपुर को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ माना जाता है और सोमवार को हुई मतगणना में अधिकारी ने बनर्जी को 15000 मतों से हरा करारा झटका दिया।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने उनसे तुरंत विजय जुलूस नहीं निकालने और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''अभी विजय रैलियां नहीं निकालें। शांति और अनुशासन बनाए रखें। नौ मई के बाद अनुमति लेकर जश्न मनाएं।''

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह नौ मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए कथित हमलों का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि वह उन पर हुए अत्याचारों को कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने भरोसा दिया कि आरोपियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने कहा, ''मैं 2011 के 'परिवर्तन' का हिस्सा था, और अब मैं वास्तविक परिवर्तन का हिस्सा हूं। मैं नंदीग्राम के लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।''

वह 2011 में तृणमूल कांग्रेस की जीत का जिक्र कर रहे थे, जब ममता बनर्जी ने राज्य में 34 साल से राज कर रहे वाम मोर्चा को सत्ता से बेदखल किया था और भारी बहुमत से सरकार में आई थीं।

अधिकारी ने नंदीग्राम के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और राजनीतिक हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ''हम इस तरह से काम करेंगे कि बंगाल में भाजपा की सरकार सौ साल तक बनी रहे।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले चुनाव में राज्य में भाजपा का मत प्रतिशत मौजूदा 46 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा।

भाजपा नेता ने नंदीग्राम के निवासियों को बेहतर पेयजल आपूर्ति और बेहतर अस्पतालों का आश्वासन भी दिया।

सुविचार

मुश्किलों से भाग जाना आसान होता है, हर पहलू जिंदगी का इम्तिहान होता है, डरने वालों को मिलता नहीं कुछ जिंदगी में, लड़ने वालों के कदमों में जहान होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुश्मन के हाथ मजबूत कर रहे ये बयान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में हुए दो धमाकों के बारे में जो बयान दिया, वह एक वरिष्ठ राजनेता को शोभा नहीं देता है। खासकर, एक मुख्यमंत्री को ऐसा बयान बिल्कुल नहीं देना चाहिए। भाजपा से राजनीतिक लड़ाई लड़ना भगवंत मान का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय को उसकी कथित साजिश से जोड़कर बयान देना आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को कहीं-न-कहीं कमजोर करता है। हमारे देश में ऐसी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ जरूर होता है। पंजाब की शांति और समृद्धि उसकी आंखों में दशकों से खटक रही हैं। इस राज्य के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इसने आतंकवाद का दर्दनाक दौर देखा है। अब उसके मुख्यमंत्री बेबुनियाद बयान दे रहे हैं! क्या भगवंत मान नहीं जानते कि उनके शब्दों पर पाकिस्तानी मीडिया और आईएसआई की नजरें रहेंगी? वे इस बयान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। आज से एक साल पहले जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, तब भारत में कई लोग पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान के बजाय अपने ही देश के सुरक्षा बलों और एजेंसियों को कोस रहे थे। उनमें से कुछ तो 'आंतरिक साजिश' के तार जोड़कर यह साबित करने में व्यस्त थे कि इस हमले के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार नहीं है, बल्कि सारा दोष हमारा ही है। उनकी सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो को पाकिस्तान ने जोर-शोर से चलाया था। उन लोगों से पूछना चाहिए, 'आप किस आधार पर ऐसा दावा कर सकते हैं कि आतंकवादी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ नहीं है? क्या आपको कोई विशेष खुफिया रिपोर्ट मिली है? अगर हां, तो वह आपको कैसे मिली? अगर नहीं, तो अनर्गल बयान देकर खुद को विशेषज्ञ साबित क्यों करना चाहते हैं?'

देश में पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसे वर्ग का उदय हुआ है, जो हर घटना के पीछे 'आंतरिक साजिश' ढूंढ़ लेता है। उसके अनुसार, पहलगाम, पुलवामा, पठानकोट और उरी हमले में पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं थी। उस 'मासूम' को तो भारतीय मीडिया ने यूं ही बदनाम कर दिया! जब मुंबई में 26/11 के हमले हुए थे तो कुछ 'तेजस्वी' लोगों के समूह ने एक किताब का विमोचन कर यह साबित करने के लिए पूरा जोर लगा दिया था कि इसके साथ पाकिस्तान का नाम न जोड़ा जाए। अगर आतंकवादी कसाब न पकड़ा जाता तो वे इस झूठ को फैलाने में कामयाब हो जाते। पाकिस्तानी मीडिया आज भी उस किताब का जिक्र कर अपने मुल्क की छवि चमकाने की कोशिश करता है कि 'भारत के कुछ 'बुद्धिजीवी' यह स्वीकार कर चुके हैं कि हमला किसी और का काम था, हमारा नाम तो यूं ही घसीटा जा रहा है।' क्या ऐसी किताबें लिखने, गलत बयान देने से पाकिस्तान को अपना बचाव करने के लिए मजबूत तर्क नहीं मिल जाता है? अब भगवंत मान भी अनर्गल बातें कर सुर्खियों में आ रहे हैं। जब पाकिस्तान में फौज और आईएसआई के अधिकारी ऐसे बयान सुनते होंगे तो ठहाके लगाते होंगे। वे सोचते होंगे कि ये लोग हमारा ही काम आसान कर रहे हैं। इस समय वरिष्ठ राजनेताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे पाकिस्तान को चेतावनी दें और इस बात पर खास जोर दें कि राजनीतिक मतभेद चलते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में हम सब एक हैं। गैर-जिम्मेदार ढंग से दिए गए बयान किसी नेता को चर्चा में जरूर ला सकते हैं। वे उसे महान नहीं बना सकते। अगर उन्हें अपना ख़याल नहीं है तो कोई बात नहीं; वे इस महान देश का तो कुछ ख़याल करें।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के नाम पर राजस्थान के युवाओं के साथ कैसा मज़ाक किया जा रहा है? 90,000 युवाओं ने बड़े जोश के साथ अप्लाई किया, लेकिन लोन सिर्फ़ 60 को मिला! आज भी हज़ारों एप्लीकेशन धूल फांक रही हैं।

-अशोक गहलोत

आज सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रायपुर में लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, एवं पशुपालन विभाग से संबंधित 58 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी गईं।

-दिया कुमारी

आज उदयपुर के डिस्ट्रिक्ट काउंसिल हॉल में अधिकारियों के साथ अलग-अलग डिपार्टमेंट्स की रिव्यू मीटिंग हुई। मीटिंग में पब्लिक वेलफेयर स्कीम्स के असरदार इम्प्लीमेंटेशन, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़े कामों का डिटेल में रिव्यू किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सच्चे जीवन के वर्ष

नौशेरवां एक न्यायप्रिय राजा थे। एक दिन वे भेष बदलकर राज्य का हाल जानने निकले। रास्ते में उन्हें एक वृद्ध किसान मिला। उसके बाल सफेद थे, चेहरे पर झुर्रियां थीं, फिर भी उसमें युवाओं जैसा उत्साह था। राजा ने उससे पूछा, 'आपकी उम्र कितनी है?' वृद्ध ने मुस्कराकर कहा, 'चार वर्ष।' यह सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। दोबारा पूछने पर भी वही उत्तर मिला तो वे क्रोधित हो उठे और बोले, 'मैं साधारण व्यक्ति नहीं, राजा नौशेरवां हूं। सच-सच बताओ।' फिर राजा ने स्वयं को शांत किया और विनम्रता से पूछा, 'आप तो अस्सी वर्ष के लगते हैं, फिर चार वर्ष क्यों कहते हैं?' वृद्ध ने उत्तर दिया, 'महाराज, अस्सी वर्ष तो मैंने सांसारिक कार्योंधन कमाने, परिवार बसानेमें बिताए। वह जीवन तो पशु भी जीता है। पर पिछले चार वर्षों से मैं ईश्वर-भक्ति, सेवा, दया और सदाचार में लगा हूं। यही मेरे जीवन के सच्चे वर्ष हैं, इसलिए मैं स्वयं को चार वर्ष का मानता हूं।'

सामयिक

सियासत का नया व्याकरण लिखता जनादेश-2026

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

पांचों राज्यों के परिणामों को यदि एक व्यापक कैनवास पर रखकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय राजनीति अब परफॉर्मेंस' के युग में प्रवेश कर चुकी है। अब केवल जातिगत समीकरण बैठाकर या बड़े-बड़े विज्ञापन देकर चुनाव नहीं जीते जा सकते।

वर्ष 2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं बल्कि ये देश की राजनैतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनैतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि 'भगवा' राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनैतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनैतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी परिवर्तन की 'आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनैतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन ने राजनैतिक भूगोल को इस तरह बदला कि घुसपैठ और बाहरी प्रभाव की राजनीति हाशिए पर चली गई और 'असमिया राष्ट्रवाद' का नया स्वरूप उभरकर सामने आया। 'ओरुनोडोई' जैसी योजनाओं ने महिला मतदाताओं के बीच भाजपा को एक ऐसे रक्षक के रूप में स्थापित कर दिया है, जिसके पास उनके दैनिक जीवन की समस्याओं का ठोस समाधान है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्वोत्तर में भाजपा अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक स्थायी शक्ति बन चुकी है।

दक्षिण भारत के राजनैतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनैतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनैतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया। यह परिणाम कमल हासन और विजयकांत जैसे पूर्ववर्ती सितारों की तुलना में कहीं अधिक गहरा है क्योंकि विजय ने 'बौद्धिक राजनीति' के बजाय जमीनी और 'मास-अपील' वाली राजनीति को चुना। तमिलनाडु का यह जनादेश द्रविड़ राजनीति के भविष्य को एक नई दिशा देने वाला है, जहां अब तीसरी शक्ति' केवल संभावना नहीं बल्कि एक हकीकत बन चुकी है।

केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की यह प्रचंड वापसी यह दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की नैतिक साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में 'सक्रियता और न्याय' जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में एक सकारात्मक माहौल बनाया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया। केरल का मतदाता यह संदेश दे रहा है कि वह किसी भी दल को टेकन फॉर ग्रांटेड' नहीं लेता और सत्ता की चाबी हमेशा जनता के हाथ में रहती है, जो हर पांच साल में शासन की समीक्षा बड़ी निर्ममता से करती है।

पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्रशासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन. रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है। पुडुचेरी के परिणामों ने यह साबित किया कि छोटे क्षेत्रों में व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक समीकरण ही हार-जीत की रेखा खींचते हैं। यहां का मतदाता प्रशासनिक गतिरोध के बजाय स्थिरता को अधिक महत्व देता है और यही कारण रहा कि गठबंधन की राजनीति ने यहां अपनी सफलता का परचम फहराया।

पांचों राज्यों के परिणामों को यदि एक व्यापक कैनवास पर रखकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय राजनीति अब परफॉर्मेंस' के युग में प्रवेश कर चुकी है। अब केवल जातिगत समीकरण बैठाकर या बड़े-बड़े विज्ञापन देकर चुनाव नहीं जीते जा सकते। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत और असम में उसकी वापसी दर्शाती है कि हिंदुत्व' और विकास' का मिश्रण अभी भी भारतीय राजनीति का सबसे शक्तिशाली तत्व है लेकिन तमिलनाडु और केरल के परिणाम यह भी सचेत करते हैं कि क्षेत्रीय आकांक्षाएं और स्थानीय नेतृत्व का महत्व कभी कम नहीं होगा। इन चुनावों ने राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के लिए केरल में संजीवनी का काम किया है तो वहीं भाजपा के लिए दक्षिण में नए मित्र तलाशने की चुनौती पेश की है। कुल मिलाकर, 2026 के इस जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता अब अधिक अपेक्षा-केंद्रित हो गया है। वह केवल यह नहीं देखता कि सरकार ने क्या किया बल्कि यह भी देखता है कि नेतृत्व कितना विश्वसनीय है और भविष्य के लिए उसके पास क्या रोडमैप है। थलपति विजय जैसे नए चेहरों का स्वागत और ममता बनर्जी जैसे कद्दावर नेताओं की हार बताती है कि राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं है। आने वाले समय में वही दल और नेता प्रासंगिक रहेंगे जो जनता की आकांक्षाओं को समझेंगे और विकास, पहचान एवं सुशासन के बीच एक कुशल संतुलन स्थापित कर सकेंगे।

नजरिया

गीत, ज्ञान और मानवता के कवि रवींद्रनाथ

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

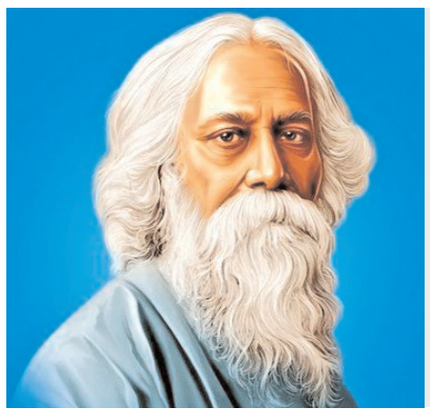

रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन और कार्य यह सिद्ध करता है कि सच्ची महानता केवल उपलब्धियों में नहीं बल्कि उन मूल्यों में होती है जो व्यक्ति समाज को देता है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि कला, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनकी सोच आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में मानवता, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को स्थान देना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था और यह तिथि भारतीय इतिहास और संस्कृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बंगाली परंपरा में उनकी जयंती वैशाख महीने के 25वें दिन (पचीशे बैसाख) को मनाई जाती है, जो हर वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर में अलग तिथि पर आती है, परंतु 2026 में यह 7 मई को ही पड़ रही है। यह संयोग केवल तिथियों का मेल नहीं है, बल्कि यह उस सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है जिसमें समय बदलता है पर मूल्य स्थिर रहते हैं। टैगोर का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो साहित्य, कला और सामाजिक चेतना का केंद्र था, और यही परिवेश उनके व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक सिद्ध हुआ।

रवींद्रनाथ टैगोर को विश्वकवि कहा जाता है, और यह उपाधि केवल सम्मान नहीं बल्कि उनकी रचनात्मकता की व्यापकता का प्रमाण है। 1913 में उन्हें उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले गैर यूरोपीय बने। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की महत्वपूर्ण घटना थी बल्कि यह भारतीय साहित्य के वैश्विक स्वीकार का भी क्षण था। गीतांजलि में निहित आध्यात्मिकता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय भावनाओं की गहराई ने दुनिया भर के पाठकों को प्रभावित किया। उनकी भाषा सरल होते हुए भी गहन थी और उनके विचार सीमाओं से परे जाकर मानवता की एकता की बात करते थे।

टैगोर की सबसे विशिष्ट पहचान यह है कि उनकी रचनाएँ दो देशों के राष्ट्रगान बनीं। भारत का जन गण मन और बांग्लादेश का आमार सोनार बांग्ला उनकी ही काव्य प्रतिभा के उदाहरण हैं। यह तथ्य उन्हें विश्व साहित्य में एक अनूठा स्थान देता है, क्योंकि ऐसा उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। उनकी रचनाओं में देशभक्ति का स्वर था, परंतु वह संकीर्ण राष्ट्रवाद से परे था। वे मानवता को किसी एक देश या सीमा में बांधकर नहीं देखते थे, बल्कि उनकी दृष्टि वैश्विक थी। वे मानते थे कि सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो मानवता का सम्मान करे और सभी के लिए समान अवसर और सम्मान की बात करे।संगीत के क्षेत्र में भी टैगोर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने रवींद्र संगीत की परंपरा को विकसित किया जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोकधुनों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनके गीतों में भावनाओं की गहराई, प्रकृति के प्रति प्रेम और जीवन के विभिन्न रंगों का चित्रण मिलता है। आज भी उनके गीत बंगाल और पूरे भारत में गाए जाते हैं और उनकी लोकप्रियता समय के साथ और बढ़ी है। उनके द्वारा रचित धुनें केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे आत्मा को छूने वाली अनुभूति प्रदान करती हैं।

टैगोर का दृष्टिकोण केवल साहित्य और संगीत तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक महान शिक्षाविद और दार्शनिक भी थे। उन्होंने शांतिनिकेतन की स्थापना इस उद्देश्य से की कि शिक्षा प्रकृति के सान्निध्य में दी जाए और विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और सीखने का अवसर मिले। बाद में यही संस्थान विश्व भारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ, जो आज भी उनके आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर की संवेदनशीलता, रचनात्मकता और नैतिकता को विकसित करने का साधन है। वे शिक्षा को जीवन से जोड़कर देखते थे और चाहते थे कि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें बल्कि प्रकृति और समाज से भी सीखें।

टैगोर के विचारों में मानवतावाद की गहरी भावना थी। वे राष्ट्रवाद के अंधानुकरण के विरोधी थे और मानते थे कि यदि राष्ट्रवाद मानवता के विरुद्ध हो जाए तो वह विनाशकारी बन सकता है। उनके लेखन में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि वे विश्व शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के पक्षधर थे। उन्होंने अपने समय की सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वासों और असमानताओं पर भी तीखा प्रहार किया। उनके उपन्यास, कहानियाँ और नाटक समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं और पाठकों को सोचने के लिए प्रेरित करते हैं।

उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, संगीतकार, चित्रकार और दार्शनिक सभी कुछ थे। लगभग 60 वर्ष की आयु में उन्होंने चित्रकला शुरू की और हजारों चित्र बनाए। यह तथ्य यह दर्शाता है कि उनके भीतर सृजन की ऊर्जा जीवन के अंतिम समय तक बनी रही। उनकी चित्रकला भी उतनी ही अभिव्यक्तिपूर्ण थी जितनी उनकी कविताएँ। उन्होंने अपने हर कार्य में नवीनता और मौलिकता को महत्व दिया और यही कारण है कि उनका हर योगदान विशिष्ट बन गया।

टैगोर की रचनाओं में स्त्री जीवन, ग्रामीण समाज और मानवीय संबंधों की गहरी समझ दिखाई देती है। उन्होंने समाज में व्याप्त लैंगिक असमानताओं और सामाजिक अन्याय को अपनी कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से उजागर किया। उनके पात्र जीवंत होते हैं और उनकी समस्याएँ वास्तविक जीवन से जुड़ी होती हैं। वे केवल मनोरंजन के लिए नहीं लिखते थे, बल्कि उनके लेखन का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना और परिवर्तन की प्रेरणा देना था।

उनकी प्रसिद्ध पंक्ति चित्त जेथा भयशून्य, उच्च जेथा शिर आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पंक्ति एक ऐसे समाज की कल्पना प्रस्तुत करती है जहां लोग भयमुक्त हों, जहां ज्ञान स्वतंत्र हो और जहां संकीर्णता का स्थान न हो। यह विचार आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। जब दुनिया विभिन्न प्रकार के संघर्षों और विभाजनों से जूझ रही है, तब टैगोर के विचार हमें एक बेहतर और मानवीय समाज की ओर मार्गदर्शन देते हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन और कार्य यह सिद्ध करता है कि सच्ची महानता केवल उपलब्धियों में नहीं बल्कि उन मूल्यों में होती है जो व्यक्ति समाज को देता है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि कला, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनकी सोच आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में मानवता, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को स्थान देना चाहिए।

उनकी जयंती केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक अवसर है उनके विचारों को समझने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का। पचीशे बैसाख के दिन जब लोग उनके गीत गाते हैं और उनकी रचनाओं को याद करते हैं, तब यह केवल एक महान कवि को श्रद्धांजलि नहीं होती बल्कि यह उस सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव होता है जिसे उन्होंने हमें दिया। टैगोर की विरासत समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है, क्योंकि उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। इस प्रकार रवींद्रनाथ टैगोर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक जीवित प्रेरणा हैं, जिनकी रचनाएँ और विचार आज भी हमें बेहतर मनुष्य बनने की ओर प्रेरित करते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सृजन, संवेदना और शिक्षा के माध्यम से हम दुनिया को अधिक सुंदर और मानवीय बना सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अब समय आ गया है पश्चिम भारतीय लोकतंत्र की सरहाना करें : नार्वे के राजनयिक

नई दिल्ली/भाषा। नार्वे के राजनयिक एरिक सोल्हेम ने बुधवार को पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को मिली भारी जीत की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि ''पश्चिम भी भारतीय लोकतंत्र की सराहना करे''। उन्होंने पश्चिमी मीडिया के कुछ वर्गों की भी आलोचना की, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकतंत्र के लिए खतरा बता रहे हैं और उनकी नीतियों को ''हिंदू कट्टरपंथ' के रूप में वर्णित कर रहे हैं। नार्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार तरीके से किए गए कई पोस्ट में कहा कि ऐसे समय में जब अमेरिका और यूरोपीय लोकतंत्र खतरे में हैं, भारत को प्रेरणा के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भय के लिए। उन्होंने कहा, ''भारत के राज्य विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी जीत हुई है। अब समय आ गया है कि पश्चिम भारतीय लोकतंत्र की ताकत को समझे!''

सोल्हेम ने चुनावों में भारी मतदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, ''मतदान असाधारण रूप से बहुत अधिक रहा, 90 प्रतिशत से अधिक, जो यूरोपीय और अमेरिकी चुनावों में सामान्य भागीदारी से कहीं अधिक है।''

नार्वे के राजदूत ने कहा, ''10.6 करोड़ की आबादी के साथ, पश्चिम बंगाल यूरोपीय संघ के किसी भी देश से कहीं बड़ा है, इसलिए यह मायने रखता है!'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और केरल विधानसभा चुनाव में ''आश्चर्यजनक परिणाम'' आए और तमिलनाडु में ''चौंकाने वाला'' परिणाम आया।

सोल्हेम ने कहा, ''इस परिणाम से पश्चिमी मीडिया को सोचने पर मजबूर होना चाहिए। वे अक्सर प्रधानमंत्री मोदी को लोकतंत्र के लिए खतरा और उनकी नीतियों को किसी प्रकार का हिंदू कट्टरपंथ बताते हैं। वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है।'' उन्होंने कहा, ''भारत न केवल आकार में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि यह विषयवस्तु के मामले में भी सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक है क्योंकि यह पश्चिमी प्रभाव से प्रेरित नहीं है बल्कि भारतीय परंपराओं और इतिहास में निहित है।'' यूरोपीय देश के पूर्व मंत्री ने भाजपा के प्रदर्शन की और प्रशंसा करते हुए कहा, ''जब भाजपा ने 2024 के संसदीय चुनावों में उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया था,तब कई पश्चिमी मीडिया ने ऐसा लिखा मानो यह मोदी के राजनीतिक अवसान की शुरुआत हो।

बुढ़ापे में भी दिमाग को रखना है जवां तो लिवर और आंतों पर चर्बी न चढ़ने दें : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

उम्र के आधे पड़ाव पर अगर यकृत (लिवर) और आंत जैसे आंतरिक अंगों में चर्बी को जमने से रोक लिया जाए तो बढ़ती उम्र के साथ मस्तिष्क में होने वाली सिकुड़न को सीमित किया जा सकता है और संज्ञानात्मक प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर हो सकता है।

यह दावा एमआरआई स्कैन के आधार पर किए गए हालिया अध्ययन में किया गया है।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक मध्य आयु के उत्तरार्ध में 533 महिलाओं और पुरुषों के मस्तिष्क और पेट के मेगनेटिक रिजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन का विश्लेषण किया गया, जिन पर 16 वर्षों तक नजर रखी गई। इस अवधि के दौरान, प्रतिभागियों के संज्ञानात्मक मूल्यांकन के साथ-साथ आंतरिक वसा और मस्तिष्क संरचनाओं के बार-बार एमआरआई की मदद से आकलन किया गया। नेचर कम्युनिकेशंस' नामक पत्रिका में प्रकाशित अनुसंधानपत्र के निष्कर्षों के मुताबिक पेट की चर्बी और मस्तिष्क की उम्र बढ़ने के बीच का संबंध मुख्य रूप से ग्लूकोज नियंत्रण और इंसुलिन संवेदनशीलता से परिलक्षित होता है।

इजराइल के बीर-शेवा स्थित बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ द नेगेव और अमेरिका के हार्वर्ड टी. एच. चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ सहित अन्य संस्थान के अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि यह अध्ययन एमआरआई आधारित माप के जरिये आतंरिक अंगों में वसा के जमा होने और उससे मस्तिष्क की उम्र बढ़ने और संज्ञानात्मक क्षमता के दीर्घकालिक असर के संबंधों को लेकर किया जाने वाला पहला अध्ययन है।

बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ द नेगेव की प्रमुख अनुसंधानकर्ता आइरिस शाई ने कहा, ''निष्कर्ष इंगित करता है कि ग्लूकोज नियंत्रण और पेट की आंतरिक चर्बी को कम करना मध्य आयु में मापने योग्य, परिवर्तनीय और हासिल करने योग्य लक्ष्य हैं। इनमें मस्तिष्क के क्षरण को धीमा करने और संज्ञानात्मक गिरावट के जोखिम को कम करने की क्षमता है।'' उन्होंने बताया कि अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों के एक उपसमूह का पांच साल तक मस्तिष्क एमआरआई स्कैन कर प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। उन्होंने बताया कि इससे खुलासा हुआ कि समय के साथ आंतरिक अंगों में वसा के लगातार बढ़े हुए स्तर मस्तिष्क के आयतन में तेजी से कमी आने से जुड़े थे, विशेष रूप से हिप्पोकैम्पस (मस्तिष्क का स्मृति केंद्र) में।

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि सतही या गहरी, दोनों प्रकार की त्वचा के नीचे जमा वसा और न ही बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) का मस्तिष्क से संबंध पाया गया बल्कि मस्तिष्क की उम्र का सीधा जुड़ाव आतंरिक अंगों में जमा वसा के साथ है। अध्ययन के मुताबिक वजन घटाने के बजाय लगातार आंतरिक वसा के स्तर को सीमित रखने से, मुख्य रूप से बेहतर ग्लाइसेमिक नियंत्रण के माध्यम से, वर्षों बाद बेहतर संज्ञानात्मक क्षमता और मस्तिष्क क्षरण में कमी लाई जा सकती है।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक 18 महीने के आहार संबंधी हस्तक्षेप के दौरान आंतरिक चर्बी में कमी से पांच और 10 साल बाद मस्तिष्क की संरचनाओं के बेहतर संरक्षण का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में, वजन घटाने के बजाय आंतरिक अंगों पर जमा होने वाली चर्बी में कमी ही दीर्घकालिक मस्तिष्क परिणामों का पूर्वानुमान लगाने वाला कारक है।

प्रचार

अभिनेत्री नीतू कपूर और फैशन डिज़ाइनर रिद्धिमा कपूर को मुंबई में दादी की शादी की स्पेशल स्क्रीनिंग में।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का लंबा शेड्यूल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस

प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।

फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है।

'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। यह फिल्म 2012 की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है, जो 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी आधुनिक रिश्तों, भावनाओं और प्रेम त्रिकोण पर आधारित है।

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी अपना जलवा, 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देश के नायकों की कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को हो गया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बन गई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता हमारा फर्ज बन गई और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म उन नायकों की कहानी को सामने लाती है, जिनका जिक्र इतिहास के पन्नों में कहीं दबकर रह गया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म हथियारों और हिंसा के बजाय मानवीय इरादों और नैतिक साहस पर रोशनी डालती है।

फिल्म की कहानी मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के गलियारों और वार्डों के इर्द-गिर्द घूमती है। 26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई आतंक की आग में जल रही थी, तब कामा अस्पताल के भीतर एक अलग ही जंग लड़ी जा रही थी। बाहर आतंकी गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन अस्पताल के अंदर निहत्थे स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाई थी।यह फिल्म अस्पताल के हर उस कर्मचारी को सम्मान देती है, जिसमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उस रात उनके पास वहां से भाग जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने रुककर अपना फर्ज निभाना चुना।

फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा, अक्सर हम बहादुरी के केवल उन कामों का जश्न मनाते हैं, जो बहुत नाटकीय होते हैं, लेकिन असली हिम्मत अक्सर शांत होती है। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन आम लोगों की कहानी है, जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां फर्ज कर्म में बदल जाता है।

मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने शहर को उसके सबसे मुश्किल पलों में एकजुट रखा। मैं 12 जून को दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं। पेन स्टूडियोज के प्रमुख और फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गडा ने फिल्म के महत्व पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमें मनोज तापड़िया के विजन और कंगना के अभिनय पर पूरा भरोसा है। यह फिल्म देश की उस अटूट भावना को दर्शाती है, जो उसके आम लोगों में बसती है।

वहीं, फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक और रोमांचक थ्रिलर बताया। उन्होंने कहा, यह फिल्म डर पर हिम्मत की और अफरा-तफरी पर करुणा की जीत है। 12 जून को दर्शक देखेंगे कि कैसे महिलाओं और आम कर्मचारियों ने मौत के सामने खड़े होकर असाधारण फैसले लिए। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सच्ची बहादुरी अक्सर सबसे साधारण जगहों से निकलकर आती है।

डॉ. जयंतीलाल गाड़ा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परम हंस क्रिएशन्स ने मिलकर किया है। इसमें यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड का भी सहयोग है। फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में कंगना रनौत के साथ गिरिजा ओक, स्मिता ताम्बे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका अघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन के साथ काम करना मेरे कैरियर का सबसे शानदार अनुभव : एकता कपूर

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई है। बुधवार को उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है। एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो? मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।

एकता ने लिखा, उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।

एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई। मेरा मानना है कि आखिर में डायरेक्टर ही फिल्म को आगे बढ़ाता है, और इस फिल्म का सफर वाकई शानदार रहा। धन्यवाद प्रियदर्शन सर, आपकी सोच, अनुशासन और मेरे करियर की सबसे बड़ी हिट देने के लिए। मैं दिल से आभारी हूं। हमेशा प्यार और सम्मान। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छे कलेक्शन के साथ शुरुआत की थी और धीरे धीरे नाम बना रही है।

मुलाकात

सेक्रेटरी (वेस्ट) सिबी जॉर्ज बुधवार को नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक के लिए एण की स्पेशल दूत मारिया कैस्टिलो फर्नांडीज से मिलीं।

'सिस्टम' में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता

धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, 'सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं।

सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी। इसमें महत्वाकांक्षा, न्याय और नैतिकता जैसे विषयों को बहुत ही दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाएगी और उन्हें सोचने पर मजबूर करेगी। सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इरफ़ान खान की फिल्म 'द लास्ट टेनेंट' अंततः यूट्यूब पर प्रदर्शित हुई

मुंबई/भाषा

अभिनेता इरफान खान के भारत के बहुमुखी प्रतिभाशाली कलाकारों में शुमार होने से बहुत पहले बनी फिल्म 'द लास्ट टेनेंट' जोकि अब तक प्रदर्शित नहीं की जा सकी थी, को अंततः इसके निर्माताओं ने यूट्यूब पर रिलीज कर दिया है।यह फिल्म वर्ष 2000 में पूरी हो गई थी और इसे अब 29 अप्रैल को इरफ़ान खान की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि स्वरूप 'द सॉल्ट इंक' के यूट्यूब पेज पर जारी किया गया।सार्थक दासगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित 43 मिनट की इस फिल्म में इरफ़ान के साथ विद्या बालन हैं। विद्या उस समय मशहूर टीवी शो 'हम पांच' के लिए जानी जाती थीं।यूट्यूब पेज पर जारी फिल्म के कैप्शन में लिखा है, कुछ फिल्में खो नहीं जातीं, वे बस इंतजार करती हैं। साल 2000 में, एक युवा फिल्मकार ने-जिसके पास न बजट था और न गारंटी,

केवल एक दृष्टि थी- दो असाधारण कलाकारों को साथ लेकर कुछ जादुई-सा बना डाला। वह फिल्मकार थे सार्थक दास गुप्ता।

फिल्म के यूट्यूब पेज पर लिखे ''कैप्शन'' में कहा गया, वे दो कलाकार इरफ़ान खान और विद्या बालन थे, उस समय जब दुनिया वास्तव में उनके नामों को जानती भी नहीं थी। यह फिल्म हमेशा के लिए खो चुकी मान ली गई थी। इसके फुटेज लुप्त हो चुके थे, और इसकी स्मृतियां केवल उन लोगों के जेहन में थी, जिन्होंने इसे देखा था।कैंसर के चलते 29 अप्रैल, 2020 को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में इरफ़ान का निधन हो गया था।फिल्म की रिलीज पर अभिनेत्री विद्या बालन ने पुरानी यादें साझा करते हुए कहा, 'द लास्ट टेनेंट' को आखिरकार दर्शकों तक पहुंचते देखना बेहद सुखद एहसास है। मैं तब अपने करियर की शुरुआत ही कर रही था और अपनी पहचान बनाने की कोशिश में थी। इरफ़ान के साथ काम करना उस समय बेहद खास था और अब और भी ज्यादा खास लग रहा है, क्योंकि यह एक एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसमें मुझे उनके साथ स्क्रीन साझा करने का अवसर मिला।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सार्थक ने फिल्म की फुटेज खो दी थी, जिसके कारण यह दो दशकों से अधिक समय तक ठंडे बस्ते में रही। हाल ही में उन्हें इसकी एक वीएचएस कॉपी मिली, जिससे इसकी रिलीज संभव हो सकी।सार्थक ने उक्त फिल्म के रिलीज को एक सपने के सच होने जैसा बताया। इस फिल्म का निर्माण सार्थक और उनकी पत्नी नीना ने अपने बैनर 'द सॉल्ट इंक' के तहत किया है।

आचार्य हीरचन्द्रसूरीश्वर की निश्रा में आयोजित हुआ दीक्षा महोत्सव, उमड़ा जनसैलाब

- मुमुक्षु संयम् बाफना बने मुनिश्री सम्बोधपुण्यविजय
- आलीशान जीवन शैली छोड़ मुमुक्षु संयम ने अपनाया संयम मार्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में बुधवार को आरएसपुरम् स्थित नेहरू विद्यालय में आयोजित दीक्षा महोत्सव मे आचार्य विजय हीरचन्द्रसूरीश्वरजी की निश्रा में विभिन्न साधु साध्वियों की निश्रा में दीक्षा समारोह सम्पन्न हुआ। अपने प्रवचन मे दीक्षार्थी संयम श्रीपाल बाफना के संयम् जीवन के सफर पर जानकारी दी और संयम जीवन की विशेषता बताई।

जेन-जी समूह से आने वाले कोयम्बटूर के 25 वर्षीय संयम ने संसार की सभी सुख सुविधाओं का त्याग कर संयम का मार्ग चुना है। कोयम्बटूर की धरती पर जैन संत बनने का मार्ग चुनने वाले यह पहले व्यक्ति हैं। हालाँकि, पिछले दो दशकों में कोयंबटूर, नीलगिरि और तिरुपुर में सौ से अधिक लोगों ने संतत्व ग्रहण किया है, लेकिन उनकी दीक्षा का कार्यक्रम उत्तरी भारत में ही सम्पन्न हुआ। अपने जन्म स्थान कोयंबटूर में ही संत दीक्षालेने वाले संयम पहले युवा है। संयम ने अपनी स्कूली शिक्षा कोयंबटूर से और कॉलेज की पढ़ाई बेंगलूरु के क्राइस्ट कॉलेज से पूरी की। लक्जरी कॉर व मोटरसाइकिल के शौकीन रहे संयम ने कुछ समय एमएनसी कम्पनी में भी कार्य किया है। परन्तु उन्होंने उस आलीशान जीवनशैली को त्यागकर जैन भिक्षु बनने का निर्णय लिया।

दीक्षा के दिन मुमुक्षु संयम को उनके दादा चम्पालाल, दादी बदामीबाई, पिता श्रीपाल माता संगीता की उपस्थिति में आचार्यश्री हीरचन्द्रसूरीश्वरजी ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के साक्षी में दीक्षा प्रदान की तथा संयम को दीक्षा उपकरण प्रदान किए। इस दीक्षा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर के ट्रस्टी व युवा मंडल के सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई। चेन्नई साहुकारपेट चन्द्रप्रभु मंदिर के ट्रस्टी रमेश मुथा ने आचार्यश्री के चेन्नई चातुर्मास की जानकारी दी। सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर के अध्यक्ष गुलाबचंद मेहता, सचिव गौतमचंद बाफना, कोषाध्यक्ष तेजपाल राठौड़ और उनकी पूरी टीम दीक्षा कार्यक्रम में उपस्थित थीं। इसके अलावा विभिन्न जैन मंदिर, स्थानक, तेरापंथ समाज और अन्य समाज के लोग उपस्थित भी थे।

एसआरएम आईएसटी ने जलवायु अनुसंधान हेतु शहरी परीक्षण केंद्र का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के रामापुरम स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने बुधवार को अपने परिसर में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान द्वारा विकसित मौसम शहरी परीक्षण स्थल और अवलोकन सुविधाओं का शुभारंभ किया।

इस सुविधा के माध्यम से चेन्नई क्षेत्र में अर्बन टेस्टबेड, मानसून की भविष्यवाणी, वर्तमान पूर्वानुमान और गंभीर मौसम की प्रारंभिक चेतावनी को बेहतर बनाने के लिए पूरे शहर में एरोसोल, बादल, वर्षा, वायुमंडलीय गतिशीलता और थर्मोडायनामिक मापदंडों की निगरानी की जा सकेगी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन मौसम का उद्देश्य कृषि, जल संसाधन, विमानन और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए आपदा तैयारियों को बढ़ाना और जलवायु सेवाओं को मजबूत करना है ताकि भारत को मौसम के लिए तैयार और जलवायु के प्रति जागरूक राष्ट्र बनाया जा सके।

परीक्षण केंद्र का शुभारंभ भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने आईआईटीएम पुणे के निदेशक डॉ. ए. सूर्यचंद्र राव, एसआरएम आईएसटी रामापुरम, चेन्नई और त्रिची के चेयरमैन डॉ. आर. शिवकुमार, आईआईटीएम के परियोजना निदेशक डॉ. तारा प्रभाकरन और एसआरएम आईएसटी के डीन डॉ. एम. शक्ति गणेश संस्थानों के निदेशकों और प्रमुखों की उपस्थिति में किया। इस कार्यक्रम में एसआरएमआईएसटी और आईआईटीएम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गया।

चेयरमैन डॉ. शिवकुमार ने कहा कि चेन्नई अर्बन टेस्टबेड और शहरी एरोसोल अवलोकन सुविधा की मेजबानी करने पर उन्हें गर्व है।

हमसफ़र एक्सप्रेस के राजस्थान के बिजयनगर ठहराव की उम्मीदें तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां प्रवासियों कि मांग को लेकर मनोज जैन ने केन्द्रीय किसान कल्याण राज्य मंत्री एवं अजमेर लोकसभा सांसद भागीरथ चौधरी से मुलाकात की। अजमेर लोकसभा क्षेत्र के बिजयनगर एवं आसपास के इलाकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आ रही है। वर्षों से चली आ रही जनमांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। हमसफ़र एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 20497/20498 फिरोजपुर-रामेश्वरम) के बिजयनगर रेलवे स्टेशन पर ठहराव को लेकर सकारात्मक हलचल तेज हो गई है।

यह ट्रेन उत्तर भारत को दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों-जैसे चेन्नई, मयिलाडुथुरई, तिरुवरूर, कुंभकोणम, चिदंबरम और विरुधाचलम-से सीधे जोड़ती है। इन क्षेत्रों में अजमेर और भीलवाड़ा के हजारों लोग रोजगार और व्यापार के सिलसिले में निवास करते हैं, जिनके लिए यह ट्रेन बेहद महत्वपूर्ण कड़ी है। अब तक इस ट्रेन का बिजयनगर में ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को भीलवाड़ा या अजमेर जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इससे विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों को अतिरिक्त समय, खर्च और असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस लंबे समय से लंबित मांग को जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार उठाया जाता रहा है। हाल ही में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद भागीरथ चौधरी के समक्ष भी यह मुद्दा प्रमुखता से रखा गया। सामाजिक प्रतिनिधियों ने बिजयनगर में कम से कम 2 मिनट के ठहराव की मांग करते हुए इसके जनहित और क्षेत्रीय महत्व को रेखांकित किया।

सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्ताव पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विचार किया जा रहा है और जल्द ही कोई ठोस निर्णय सामने आ सकता है। यदि यह ठहराव स्वीकृत हो जाता है, तो बिजयनगर के साथ-साथ मसूदा, केकड़ी, भिनाय, बाड़ी, शेरगढ़ और रामगढ़ जैसे क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।इस संभावित निर्णय से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के व्यापार, रोजगार और सामाजिक आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों में इस खबर को लेकर उत्साह का माहौल है और सभी की निगाहें अब रेल मंत्रालय की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं। इसके साथ ही सामाजिक प्रतिनिधियों ने सोने के आभूषणों में फर्जी हॉलमार्किंग और कम गुणवत्ता वाले माल की बिक्री पर सख्त कानून बनाने तथा चोरी के माल के मामलों में प्रवासी व्यापारियों को अनावश्यक परेशान करने के मुद्दे को भी लोकसभा में उठाने का अनुरोध किया है।

लकीर नहीं मिटाओ, अपनी लकीर बड़ी बनाओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुझल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. सा. के सान्निध्य में बच्चों एवं युवाओं के लिए आयोजित जीवन निर्माण शिविर' का तीसरा दिन उत्साह, ऊर्जा और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम की शुरुआत शासन तो प्राणों से प्यारा है जिनशासन हमारा है गीत एवं लाभार्थी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ मंगलमय वातावरण में हुई। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आचार्यश्री ने जीवन में सफल कैसे हों विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र दूसरों को गिराकर आगे बढ़ना नहीं, बल्कि स्वयं को ऊँचा उठाना है। उन्होंने सहज उदाहरण के माध्यम से समझाया कि यदि अपनी लकीर को बड़ा कर लिया जाए, तो बिना किसी की लकीर मिटाए भी हम आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में तुलना नहीं, लक्ष्य आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने एबीसीडीईएफजी सूत्र बताते हुए कहा कि पहला एइम यानी लक्ष्य, बिलीफ यानी विश्वास, कोंसेंट्रेशन यानी एकाग्रता, डिटरमिनेशन यानी दृढ़संकल्प, एफर्ट यानी प्रयास, फैथ यानी आत्मविश्वास और ग्रेस ऑफ गॉड यानी प्रभु कृपा। इन सात सिद्धांतों को अपनाकर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। आचार्यश्री ने अर्जुन के उदाहरण से लक्ष्य की स्पष्टता का महत्व समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार अर्जुन को केवल पंछी की आंख दिखाई देती थी, उसी प्रकार जीवन में लक्ष्य पर अडिग ध्यान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बिना लक्ष्य का जीवन बिना ड्राइवर की कार और बिना नाविक की नाव के समान होता है। अपने उद्बोधन में उन्होंने यह भी संदेश दिया कि प्रतियोगिता में आगे बढ़ते समय यदि कोई गिर जाए तो उसे साथ लेकर चलना ही सच्ची मानवता है। बड़ा आदमी बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा आदमी बनना सबसे बड़ी बात है, यह कहते हुए उन्होंने संस्कार, विनय और मानवीय मूल्यों पर विशेष बल दिया। आचार्यश्री ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली पर चिंतन व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुकुल परंपरा के क्षीण होने से हमारी संस्कृति प्रभावित हो रही है। उन्होंने शिक्षा में विनय, अनुशासन और संस्कारों के समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और दृढ़संकल्प अनिवार्य हैं। इंपॉसिबल शब्द में ही पॉसिबल छिपा है, इस विचार के साथ उन्होंने युवाओं को आलस्य त्यागकर सजग और कर्मशील बनने की प्रेरणा दी।

सत्य, करुणा और एकाग्रता का पालन कर जीवन का असली चैंपियन बनना संभव : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में डॉ. समकितमुनिजी के सान्निध्य में चल रहे अष्ट दिवसीय आवासीय 'समकित संस्कार शिविर' के चतुर्थ दिन लगभग 250 बालक-बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता कर धर्म, ज्ञान और उत्तम संस्कारों का अमूल्य लाभ लिया। बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में सान्निध्यता प्रदान करते हुए श्री समकितमुनिजी ने बच्चों को जीवन का 'असली चैंपियन' बनने के तीन अचूक सूत्र दिए। संतश्री ने कहा कि जीवन की वास्तविक जीत केवल किसी दौड़ में प्रथम आने में नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मानवीय गुणों को धारण करने में है। एक सच्चा चैंपियन वह है जिसके भीतर विपरीत परिस्थितियों और डर के बावजूद निडर होकर 'सत्य' बोलने का अदम्य साहस हो, क्योंकि सत्य का मार्ग भले ही शुरुआत में कठिन या खालीपन भरा लगे, परंतु आखिरी और स्थायी विजय सदैव सच्चाई की ही होती है। सफलता का दूसरा महत्वपूर्ण सूत्र 'करुणा' है, जैन धर्म के मूल मंत्र 'परस्परोपग्रहो जीवानाम' को आत्मसात करते हुए प्रतिस्पर्धा में दूसरों को पीछे धकेलने के बजाय, किसी गिरे हुए या कमजोर साथी का हाथ पकड़कर उसे भी अपने साथ मंजिल तक ले जाना ही मनुष्य की वास्तविक जीत है। इसके अतिरिक्त, संत ने लक्ष्य के प्रति एकाग्रता का आह्वान करते हुए कहा कि जब भी हम कोई श्रेष्ठ मार्ग चुनते हैं, तो समाज में नकारात्मकता फैलाने और उपहास करने वाले लोग अवश्य मिलते हैं।

ऐसे समय में हमें हतोत्साहित करने वाले उन स्वरों के प्रति पूर्णतः 'बहरा' हो जाना चाहिए। दुनिया की नकारात्मक बातों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत और प्रेरणा बनाकर जो व्यक्ति अडिग, आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है, वही इस संसार का असली चैंपियन बनता है। ङ्कप्रवचन के दौरान विभिन्न कक्षाओं के बालक-बालिकाओं ने अत्यंत मनमोहक प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने शिविर की कक्षाओं में जो भी धार्मिक ज्ञान, सूत्र और संस्कार अर्जित किए हैं, उन्हें अत्यंत आत्मविश्वास के साथ संपूर्ण सभा के समक्ष प्रस्तुत किए।

साधकों की इस उत्कृष्ट 'ज्ञान आराधना' और प्रतिभा को देखकर उपस्थित जनों ने उनकी सराहना की व उत्साहवर्धन किया। तीसरे दिन अनेकों नन्हे बालक-बालिकाओं ने उत्तम संयम का परिचय देते हुए 'एकासन' और 'उपवास' जैसी कठिन तपस्याएं भी की। कार्यक्रम के मध्य में जयवंतमुनिजी ने अपने मधुर स्वरों में 'सौ मंत्र गीतिका' प्रस्तुत की, जिस पर सभी बच्चे झूम उठे और पूरे आनंद के साथ भक्ति में लीन हो गए। ङ्कइसी क्रम में सायंकाल को आराधना केंद्र में एक 'भक्ति संध्या' का आयोजन किया गया जिसम;ह युवा गायक रितेश धोका ने अपनी भजनों की प्रस्तुतियां दी। मधुर स्वर लहरियों से ऐसी शानदार भक्ति प्रस्तुतियां दीं कि संपूर्ण वातावरण संगीतमय और भक्तिमय हो गया।

रोटरी क्लुब ने सरकारी अस्पताल में लगवाया पेयजल प्यूरिफायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां के नारायणनगर, किचिपालयम स्थित सरकारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर एमजीआर हास्पिटल में बुधवार को रोटरी क्लब ऑफ सेलम कॉस्मोस द्वारा एक आधुनिक तकनीक का पेय जल प्यूरिफायर संयत्र स्थापित किया गया है। इस मशीन के प्रदाता सेलम के प्रमुख कपड़ा व्यवसायी आनंद शर्मा लांबीवाला परिवार है। कॉस्मोस के अध्यक्ष विकास लुणिया ने अस्पताल के अधिकारी समेत सभी उपस्थितों का स्वागत किया। हास्पिटल की प्रमुख चिकित्सक डॉ मालरविली ने कहा कि रोटरी क्लब का यह अनुदान अनमोल है क्योंकि यहां अक्सर गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं की माताओं को पीने योग्य पानी के अभाव में काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने विशेषकर प्रोजेक्ट के प्रभारी मनोज सिंघवी का आभार प्रकट किया। लांबीवाला परिवार जनों ने मशीन का अधिकारिक उद्घाटन कर इसे अस्पताल को सुपुर्द किया।इस अवसर पर मुरारीप्रसाद शर्मा, तरुण लांबीवाला, चंद्रशेखर झुंझुनवाला, नितेश जैन आदि उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक मानव हक संरक्षण संस्था द्वारा बेंगलूरु के रवींद्र कला क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले व्यक्तियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कर्नाटक महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कहा कि पुरस्कार या सम्मान किसी प्रतिभा का सही मापदंड नहीं होता, लेकिन पुरस्कार या सम्मान व्यक्ति को और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। संस्था के अध्यक्ष गणेश ने अतिथियों को सम्मानित किया।

राजाजीनगर में तेरापंथ महिला मंडल की हुई संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन राजाजीनगर में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मंडल की पूर्व महामंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य वीणा बैद ने संगठन यात्रा का उद्देश्य बताते हुए कहा कि मंडल के विकास के लिए सदस्याओं को एकजुट करना आवश्यक है। शाखा मंडल की मजबूती ही राष्ट्रीय संस्था की ताकत है । रुचिका पटावरी ने सभी को संस्था के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। कन्या मंडल अधिवेशन की जानकारी देते हुए कन्याओं से अधिवेशन में शामिल होने की बात कहीं। संगठन यात्रा का सर्टिफिकेट देकर राजाजीनगर मंडल को सम्मानित किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.